एसआईआर में हुए अपमान का... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राशा थडानी ने बताया क्यों... 11

वर्ष - 02, अंक - 04 | गाजियाबाद / बुधवार 08 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

जंग का 39वां दिन: अमेरिका और इजराइल ने दागी घातक मिसाइलें

ईरान के खार्ग ऑयल टर्मिनल पर हमला

- ट्रम्प ने दी ईरान की सभ्यता खत्म करने की धमकी
- रेलवे पुल को भी बनाया निशाना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ जंग मंगलवार को सबसे भयावह दौर में पहुँच गई। इस दौरान ईरान के खार्ग आइलैंड पर ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। वहीं, काशान शहर के पास याह्या अबाद रेलवे पुल पर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई। अर्द्ध सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी और आईआरएनए न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी।

बता दें कि ईरान के करीब 80 से 90% कच्चे तेल का निर्यात खार्ग आइलैंड से होता है। यहां बड़े तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, स्टोरेज टैंक और जहाजों में तेल भरने की फैसिलिटी मौजूद हैं। इससे हर दिन करीब 70 लाख बैरल तक तेल जहाजों में भरा जा सकता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने धमकी दी थी कि अगर ईरान ने मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिका समयानुसार) तक होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला तो उसके जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जाएगा। वहीं लगातार हो रहे हमलों के बीच ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जवाब सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे वहां के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बना सकते हैं। गार्ड्स ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि उन्होंने अब तक संयम बरता था, लेकिन अब वह खत्म हो चुका है।

ट्रेनों और रेलवे ट्रैकों से दूर रहें ईरानी

इजराइल की सेना ने ईरान के आम नागरिकों के लिए एक बेहद 'अर्जेंट एडवाइजरी' जारी की। एडवाइजरी में आम लोगों को अगले 12 घंटों तक ट्रेनों और रेलवे लाइनों से दूर रहने को कहा गया है। सेना ने स्पष्ट कहा कि ट्रेनों में आपकी मौजूदगी या रेलवे ट्रैक के आसपास होना आपकी जान को खतरे में डाल सकता है।

बयान में कहा गया कि ईरान अब अमेरिका और उसके सहयोगियों के ऐसे ढांचे को निशाना बना सकता है, जिससे उन्हें इस इलाके के तेल और गैस संसाधनों से दूर कर दिया जाए। आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी सेना ने हद पार की, तो अंजाम बुरा होगा।

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी भी हुई महंगी

- आईजीएल ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गए हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गई। एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गई जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गई। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है। मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में कीमत 47.35 रुपये से बढ़ाकर 48.35 रुपये, अजमेर, पाली और राजसमंद में 47.27 रुपये से बढ़ाकर 48.27 रुपये तथा कानपुर, फतेहपुर, हमीरपुर और चित्रकूट में 47.95 रुपये से बढ़ाकर 48.95 रुपये कर दी गयी है। दूसरे शहरों में कीमतों में इसी प्रकार वृद्धि हुई है। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद सात मार्च को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाए गए थे। वहीं, वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम एक मार्च, सात मार्च और एक अप्रैल को तीन बार में 338 रुपये बढ़ चुकी है।

महाराष्ट्र में सांसदों, विधायकों के खिलाफ 405 आपराधिक केस लंबित

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में वर्तमान और पूर्व सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ जिला एवं सत्र न्यायालयों में कुल 405 आपराधिक मामले लंबित हैं, जिनमें मुंबई संभाग में सबसे अधिक मामले दर्ज हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इन मामलों में हत्या, दुराचार, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, सशस्त्र लूट, धमकी और सरकारी कार्य में बाधा जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। क्षेत्रवार आंकड़ों में मुंबई संभाग में सर्वाधिक 226 मामले लंबित हैं, इसके बाद औरंगाबाद संभाग में 106 तथा नागपुर संभाग में 73 मामले दर्ज हैं। यह आंकड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद संकलित किए गए, जिसके तहत बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सभी प्रधान जिला न्यायाधीशों को ऐसे मामलों का विवरण प्रस्तुत करने को कहा था। मार्च के अंत तक की स्थिति के अनुसार, हत्या का एक मामला कोल्हापुर में और दुराचार का एक मामला भंडारा की सत्र अदालत में लंबित है। इसके अलावा हत्या के प्रयास के 16 और धोखाधड़ी के 60 मामले दर्ज हैं, जबकि सरकारी कार्य में बाधा से जुड़े मामले सबसे अधिक पाए गए हैं।

पवन खेड़ा के घर पहुँची असम पुलिस

सीएम हिमंत सरमा की पत्नी ने दर्ज करवाई थी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की ओर से कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी के सिलसिले में पूछताछ के लिए असम पुलिस की टीम खेड़ा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास पर पहुंची। खेड़ा ने हाल ही में यह आरोप लगाया था कि श्रीमती सरमा के पास तीन विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अघोषित संपत्तियां हैं। मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया था। श्रीमती सरमा ने इन आरोपों पर खेड़ा के खिलाफ असम की क्राइम ब्रांच में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सूत्रों के मुताबिक असम पुलिस की टीम इसी मामले में पूछताछ के लिए खेड़ा के आवास पर पहुँची। शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया था कि दिल्ली पुलिस ने इसमें शामिल होने से इनकार किया है, लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की है कि उन्होंने खेड़ा के घर पर असम पुलिस टीम की मदद की है। रिपोर्टों के अनुसार पवन खेड़ा अभी गुवाहाटी में हैं।

दिल्ली विधानसभा में सेंध मामला:

आरोपी को 8 दिन की हिरासत में भेजा

- आतंकी साजिश की भी होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में आरोपी सरबजीत सिंह को मंगलवार को तीस हजारी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। हालांकि, पुलिस ने कोर्ट से सरबजीत सिंह की 10 दिन की पुलिस कस्टडी मांगी थी। मामला काफी गंभीर है क्योंकि दिल्ली पुलिस का कहना है कि वे इस साजिश का पता लगाना चाहते हैं और टेरर एंगल की जांच करना चाहते हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपना फोन फेंक दिया था, जिसे वे रिकवर करना चाहते हैं। पुलिस ने कहा कि हम यह भी पूछताछ करना चाहते हैं कि वह विधानसभा में क्यों और किस तरह से घुसा। हम यह भी पता लगाना चाहते हैं कि इसमें और कौन लोग शामिल थे। पुलिस ने कहा कि हमें पंजाब और उत्तर प्रदेश भी जाना है और उस गाड़ी के बारे में भी पता लगाना है, जिससे वह विधानसभा में घुसा था। मामले में गहनता से जांच करने के लिए सरबजीत को पुलिस कस्टी में रखना होगा। वहीं, सरबजीत के वकील ने पुलिस कस्टडी की मांग का विरोध किया और बताया कि उनका क्लाइंट मानसिक रूप से अस्थिर है और उसका इलाज चल रहा है।

वकील के मुताबिक सरबजीत अचानक अपनी बहन के पास चंडीगढ़ गया था। सरबजीत के वकील ने बताया कि वह लगभग 14-15 दिन पहले चंडीगढ़ गया था। जब उसे पता चला कि उसका भांजा खो गया है, तो वह दिल्ली आया। वह यह सोचकर विधानसभा में घुस गया कि वह एक गुरुद्वारा है। वहीं, कोर्ट ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि सरबजीत पीलीभीत से चंडीगढ़ और फिर दिल्ली कार से गया। उसने खुद गाड़ी चलाई और फिर दावा किया जा रहा है कि वह मेंटली अनस्टेबल है। इसके बाद कोर्ट ने पुलिस की दलीलों और सुरक्षा की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सरबजीत सिंह की 8 दिन की पुलिस कस्टडी मंजूर कर दी।

सुकेश को एक और केस में जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से सुकेश चंद्रशेखर को 'टू लीव्स' सिंबल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत दे दी। लेकिन अन्य मामलों में जेल में बंद होने के कारण वह फिलहाल बाहर नहीं आ पाएगा। जानकारी के मुताबिक, सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ कुल 31 मामले दर्ज हैं, इनमें से उसे अब तक 26 मामलों में जमानत मिल चुकी है।

एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के पद छोड़ने के कुछ ही दिनों बाद अब एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया। बताया जा रहा है कि 2022 में पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त हुए कैंपबेल विल्सन का कार्यकाल जुलाई 2027 में समाप्त होना था, लेकिन विल्सन ने समय से पहले ही पद छोड़ने का निर्णय लिया।

युद्ध के चलते 10,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं : केन्द्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया जाने वाली 10,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। यह जानकारी मंगलवार को नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दी गई। नागर विमानन मंत्रालय में संयुक्त सचिव असंगबा चुबा आओ ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि युद्ध शुरू होने से पहले भारतीय विमानन कंपनियां पश्चिम एशिया के लिए करीब 300-350 उड़ानें प्रतिदिन संचालित करती थीं और अब इनकी संख्या घटकर 80-90 पर आ गई है।

बहुजन उद्यमियों को बड़े सार्वजनिक ठेकों से दूर रखा गया: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के ठेकों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के उद्यमियों को शामिल करने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पिछले साल 16,500 करोड़ रुपए के सार्वजनिक निर्माण ठेकों में कितने ठेके दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के व्यवसायों को मिले, इसका पता लगाने की कोशिश की तो जवाब बहुत चिंताजनक मिला। सरकार के पास इसका कोई डाटा ही नहीं है। दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 6264) उठाया था, जिसमें पिछले पांच साल में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा दिए गए सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर ठेकों की कुल संख्या और मूल्य की जानकारी मांगी गई थी।

ग्रेटर आगरा परियोजना का सीएम योगी ने किया शिलान्यास

आगरा अब स्मार्ट आगरा और सेफ आगरा के रूप में विकसित होगा: मुख्यमंत्री

जयपुर (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने फार्मर आईडी को आने वाले समय की सबसे उपयोगी व्यवस्था बताते हुए कहा कि एक प्रमाणित डिजिटल प्रोफाइल के आधार पर बैंक लोन से लेकर सरकारी मदद तक सब कुछ तेज और पारदर्शी तरीके से किसानों तक पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि कुछ राज्यों में फार्मर आईडी के माध्यम से कुछ ही दिनों में हजारों करोड़ रुपए सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं और आगे खाद वितरण जैसी संवेदनशील व्यवस्था भी किसान की भूमि और बोई गई फसल के आधार पर फार्मर आईडी से ही लिंक की जाएगी, ताकि सस्ता खाद डायवर्जन रोका जा सके। वे मंगलवार को यहां होटल मैरियट में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गोवा के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

उन्होंने पश्चिम एशिया/मिडिल ईस्ट की परिस्थितियों के संदर्भ में वैश्विक अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे संकट के दौर में डिजिटल और डेटा आधारित कृषि प्रशासन के माध्यम से ही देश और किसानों को सुरक्षित रखा जा सकता है, इसलिए सभी राज्यों को फार्मर आईडी के काम को मिशन मोड में 100 प्रतिशत पूरा करने का आग्रह किया गया। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि दलहन और तिलहन की खरीद पीएम-एएएसएचए के माध्यम से कृषि विभाग द्वारा और गेहूं-चावल की खरीद खाद्य विभाग द्वारा की जा रही है तथा राज्यों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों के अनुरूप ही खरीद की स्वीकृति दी गई है, लेकिन समयबद्ध खरीद सुनिश्चित करना राज्यों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चने, मसूर और तुअर की 100 प्रतिशत खरीद की जाएगी और जहाँ फिजिकल खरीद संभव नहीं है, वहाँ मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के मॉडल पर सरसों और सोयाबीन में भावांतर भुगतान के माध्यम से एमएसपी और बाजार भाव के अंतर की भरपाई किसानों के खातों में सीधे की जा सकती है।

प. बंगाल चुनाव: आधी रात को फाइनल हुई पहले चरण की मतदाता सूची

- 27,16,393 अपात्र लोगों के नाम हटे

कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के लिए मतदाता सूची को सोमवार की मध्यरात्रि अंतिम रूप दिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि समयसीमा के बाद न्यायाधिकरण के आदेश से जोड़े गए नाम पहले चरण में मतदान के योग्य नहीं होंगे।

मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही सूची से हटाए गए 27,16,393 लोगों का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। आयोग के अनुसार संशोधन प्रक्रिया के दौरान लगभग 60 लाख नामों की जांच की गई, जिनमें से 32,68,119 लोगों को योग्य पाकर सूची में रखा गया, जबकि 27,16,393 लोगों को अपात्र घोषित कर हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित व्यक्ति न्यायाधिकरण में अपील कर सकते हैं, लेकिन उनके नाम बाद में शामिल होने पर भी वे पहले चरण में मतदान नहीं कर सकेंगे। यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत चल रही है।

प्रस्तावित 19 न्यायाधिकरणों में से फिलहाल केवल छह का ढांचा तैयार हो पाया है, जिससे प्रक्रिया की गति को लेकर चिंता बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया है कि तीन पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की समिति गठित कर सभी न्यायाधिकरणों के लिए एक समान कार्यप्रणाली तय की जाए। यह दिशा-निर्देश सभी न्यायाधिकरणों पर बाध्यकारी होंगे। आयोग ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराना उसकी प्राथमिकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वे स्वयं संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा करेंगे, विशेषकर उन इलाकों का जहां पिछले चुनावों में हिंसा हुई थी।

मुख्यमंत्री ने पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए की गई घोषणाओं की समीक्षा

विकास कार्यों में देरी पर अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी : धामी

- पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए
- चारधाम यात्रा से पहले सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत थराली, कर्णप्रयाग, केदारनाथ, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और जन समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने, हेली एंबुलेंस की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के प्रयास किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और विधायकगणों की उठाई जा रही समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। जिन योजनाओं का समाधान शीघ्र संभव है, उनमें अनावश्यक विलंब न हो। कार्यों में देरी करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों से संबंधित प्रस्तावों को विभागों के बीच शीघ्र हस्तांतरित किया जाए। विलंब होने पर संबंधित विभागों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी, विधायक अनिल नौटियाल, भूपाल राम टम्टा, आशा नौटियाल, विनोद कंडारी, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, नितेश झा, दिलीप जावलकर, सचिन कुर्वे, रविनाथ रमन, एस.एन. पांडेय, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, धीराज गर्ब्याल, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मानसून पूर्व बाढ़ नियंत्रण कार्यों की व्यापक समीक्षा के निर्देश

सीएम धामी ने वन विभाग की लंबित मुख्यमंत्री घोषणाओं की अलग से समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य सचिव को मानसून से पूर्व संभावित चुनौतियों के मद्देनजर व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा बाढ़ नियंत्रण से जुड़े कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। वाणिज्यिक सिलेंडरों के मुद्दे पर होटल एसोसिएशन के साथ समन्वय बनाकर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दिल्ली में नाबालिग को बेचने की साजिश नाकाम, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नाबालिग बच्ची को सुरक्षित बचा लिया है। बताया जा रहा है कि बिहार की रहने वाली नाबालिग अपने एक दोस्त के कहने पर घर से भाग कर दिल्ली आ गई थी और यहां वह जिस शख्स के घर रह रही थी, वह उसे बेचना चाहता था, लेकिन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, 2 अप्रैल की सुबह लगभग 10:00 बजे कमला मार्केट थाने की एक पुलिस टीम, जिसमें एसआई किरण सेठी, महिला कांस्टेबल खुशबू और महिला कांस्टेबल पूजा शामिल थीं, रूटीन गश्त पर थी, तभी एक लगभग 17 साल की नाबालिग लड़की उनके पास मदद मांगने आई। पीड़िता ने बताया कि वह बिहार के दरभंगा जिले की रहने वाली है। उसने 14 मार्च को अपने परिवार के साथ घरेलू झगड़े के बाद घर छोड़ दिया था और एक दोस्त की सलाह पर दिल्ली आ गई थी। शिवजी दास (52 साल), जो उसके दोस्त का परिचित था, ने उसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रिसीव किया। वह उसे दिल्ली के नेहरू विहार स्थित अपने घर ले गया, जहां वह कथित तौर पर घरेलू काम के लिए 15 मार्च से 2 अप्रैल तक रुकी रही। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब शिवजी दास की पत्नी बाहर गई हुई थी, तो आरोपी ने उसकी इज्जत पर हाथ डालने की कोशिश की, गलत इशारे किए और उसे धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। 2 अप्रैल को आरोपी लड़की को एसएन मार्ग इलाके में ले गया। उसने लड़की से एक पार्किंग में इंतजार करने को कहा। उसने कहा कि वह उसके लिए नौकरी ढूंढने के सिलसिले में एक दोस्त से मिलने जा रहा है। इंतजार करते समय पीड़िता को वहां का माहौल संदिग्ध लगा और उसे असुरक्षित महसूस हुआ। जब उसने महिला गश्ती टीम को वहां से गुजरते देखा, तो उसने तुरंत मदद के लिए उन्हें इशारा किया। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। जब टीम गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए पास की एक दुकान पर गई, तो उन्हें पता चला कि आरोपी लड़की को बेचने के लिए सौदेबाजी करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमन विहार इलाके में एक व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि व्यक्ति ने स्पीकर ठीक करने के बहाने एक 8 वर्षीया बच्ची को अपने घर बुलाकर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली से 409 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान गुरद्वारों के दर्शनों के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार परमजीत सिंह चंडोक के द्वारा खालसा साजना दिवस दिवस वैसाखी पर पाकिस्तान के गुरद्वारों के दर्शनों के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को वीजा लगवाकर पासपोर्ट वितरित किए गए। सरदार परमजीत सिंह चंडोक ने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने 451 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा के लिए पाकिस्तान एंबेसी को भेजे थे मगर उनमें से 409 श्रद्धालुओं को वीजा दिए गए। जिनको वीजा नहीं मिला उनमें या तो वह श्रद्धालु थे जिनके नाम के साथ सिंह या कौर नहीं था या फिर सहजधारी परिवार थे। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर 2840 श्रद्धालुओं को वीजा दिए गए हैं। सरदार परमजीत सिंह चंडोक ने बताया कि 10 से 19 तारीख तक का वीजा दिया गया है इसलिए सभी श्रद्धालु दस तारीख को सुबह बॉर्डर पार कर के पाकिस्तान प्रवेश करेंगे और पंजा साहिब गुरुद्वारा साहिब में वैसाखी का पर्व श्रद्धा पूर्वक मनाएंगे। उन्होंने कहा पिछली बार एक महिला के पाकिस्तान में जत्थे से अलग होने की जो दुखद घटना घटित हुई थी जो शिरोमणि कमेटी के जत्थे में गई थी, इसलिए हमारी पूरी कोशिश होगी कि इस बार पूरी चौकसी बरती जाए ताकि आगे इस तरह की घटना न हो पाए।

आशा वर्कर्स ने किया प्रदर्शन, मांगे पूरी न होने पर 15 दिन बाद और बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की आशा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली सचिवालय पर प्रदर्शन किया। पूर्व घोषित योजना के तहत बड़ी संख्या में पहुंचीं आशा वर्कर्स ने सरकार से उनकी मांगें जल्द पूरा करने की अपील की। उनकी मुख्य मांग है कि इंसेंटिव बढ़ाकर कम से कम 15,000 रुपये किया जाए, लंबित फाइलों को तुरंत पास किया जाए और उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए। प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी के बीच चेतावनी दी गई कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यूनियन की अध्यक्ष शिक्षा राणा, महासचिव ऊषा ठाकुर, सुजाता, सरोज के साथ-साथ नेशनल पब्लिक हेल्थ एलायंस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने भी संबोधित किया। एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में ज्ञापन भी सौंपा। इससे पहले उनकी मुलाकात स्वास्थ्य सचिव से हुई थी, जिन्होंने मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। सरकार के आश्वासन के बाद आंदोलन को 15 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि तय समय में मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

कारोबारी ने गोली मारकर खुदकुशी की

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी)। पीतमपुरा इलाके में मंगलवार को 80 वर्षीय बुजुर्ग कारोबारी ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर जान दे दी। मृतक की पहचान उमराव सिंह के तौर पर हुई है। मंगलोपुरी पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार, उमराव सिंह रियल एस्टेट कारोबारी थे। वर्ष 2013 में बुजुर्ग की पत्नी की कैंसर से मौत हो गई थी। वह इस समय खुद अस्थमा और न्यूरो की बीमारी से जूझ रहे थे। बुजुर्ग ने मंगलवार को अपने घर में खुद की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार ली। अचानक फायरिंग की आवाज से घर में भगदड़ मच गई। मृतक के दोनों बेटे रियल एस्टेट कारोबारी हैं।

अभिनय के क्षेत्र में तय उम्र सीमा पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के नाट्य कला में तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में दाखिले के लिए तय की गई 30 साल की उम्र सीमा के लागू होने पर रोक लगा दी है। अदालत ने दो याचिकाकर्ता को उनकी उम्र की परवाह किए बिना कोर्स के लिए आवेदन करने की इजाजत दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दिया। पीठ ने कहा कि अभिनय जैसे प्रतिभा आधारित क्षेत्र के लिए ऊपरी उम्र सीमा तय करना पहली नजर में मनमाना व मौलिक अधिकारों का उल्लंघन लगता है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विवेक गुरनानी ने एनएसडी की ओर जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। इसके तहत एक जुलाई 2026 तक ज्यादा से ज्यादा उम्र 30 साल तय की गई है। 34 व 42 साल के दो याचिकाकर्ता योग्यता व अनुभव के मामले में वैसे तो पात्र हैं, लेकिन सिर्फ उम्र की पाबंदी की वजह से उन्हें बाहर कर दिया गया। पीठ ने कहा कि अभिनय व रंगमंच कौशल आधारित क्षेत्र है। जिंदगी के किसी भी स्तर पर विकसित व बेहतर किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि उम्र की इतनी सख्त पाबंदी का कोर्स के मकसद से कोई सही संबंध नहीं है।

दिल्ली कांग्रेस जिला अध्यक्ष पर अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के चयन को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के पर्यवेक्षक रामचंद्र खूंटिया ने स्पष्ट किया है कि अंतिम निर्णय राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी से ही लिया जाएगा। संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित बैठक में खूंटिया ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। इसके लिए जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं, ब्लॉक अध्यक्षों, पूर्व विधायकों, पूर्व पार्षदों, सेवादल, महिला कांग्रेस और एससी-एसटी विभाग के पदाधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से राय ली जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी को बंद कमरे में अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा, ताकि वे बिना किसी दबाव के संगठन को मजबूत करने के सुझाव दे सकें। साथ ही वर्तमान जिला अध्यक्षों के कार्यों का मूल्यांकन भी किया जाएगा और संभावित दावेदारों के नामों पर विचार होगा। खूंटिया के अनुसार इच्छुक नेता निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करेंगे। जिन नामों को अधिक समर्थन मिलेगा, उन्हें अंतिम सूची में शामिल कर शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद ही नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की जाएगी। बैठक में राजकुमार जैन, मंगतराम सिंगल, राजेश लिलोठिया, भीष्म शर्मा, विपिन शर्मा, लक्ष्मण रावत, राजीव शर्मा, राम ठाकुर, कैलाश जैन, अजीत चौधरी, देवानंद चौधरी, राजकुमार कंवर और पी.पी. सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली की 1,511 कॉलोनियों को मिलेगा कानूनी दर्जा, सीएम रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के रहने वालों के लिए राहत की खबर है। केंद्र की मोदी सरकार ने एक अहम फैसला लिया है, जिससे करीब 50 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। अब दिल्ली की 1,731 अनधिकृत कॉलोनियों में से 1,511 कॉलोनियों को 'जैसा है, जहां है' के आधार पर नियमित किया जाएगा। इसका मतलब है कि जिन परिवारों ने वर्षों तक अपने ही घर में रहते हुए भी अधिकार नहीं पाए, उन्हें अब कानूनी रूप से अपने घर का हक मिलेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल का दिल्ली की जनता की ओर से आभार जताया। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷आज का दिन दिल्ली के 45 लाख लोगों के जीवन में राहत, सम्मान और अधिकार का नया अध्याय लेकर आया है। प्रधानमंत्री ने वर्षों से अनदेखी इस पीड़ा को समझा, उन परिवारों के सपनों को महसूस किया, जो अपने ही घरों में रहते हुए भी अधिकार से वंचित थे। इसी संवेदनशील सोच से पीएम उदय योजना का मार्ग बना और आज 1,731 में से 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ हुआ है।÷

उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। 7 दिन में जाआईएस सर्वे, 15 दिन में आवेदन की कमी दूर करने की प्रक्रिया और 45 दिन में हस्तांतरण डीड जारी करने की समयसीमा तय की गई है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने मिलकर इस प्रक्रिया की 22 बड़ी बाधाओं को दूर किया ताकि लाखों परिवारों को उनका हक बिना अटके, लटके, भटके मिल सके। साथ ही, 20 वर्गमीटर तक की छोटी दुकानों को भी शर्तों के साथ नियमित किया जाएगा, जिससे छोटे व्यापारियों को भी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजनरी सोच के अनुरूप दिल्ली के भविष्य को भी मजबूत किया जा रहा है। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति के तहत मेट्रो और आरआरटीएस कॉरिडोर के आसपास 500 मीटर के दायरे में करीब 207 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्लांड, हाई-डेंसिटी और मिक्स्ड यूज डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। इससे सस्ती आवास व्यवस्था, बेहतर कनेक्टिविटी और आसान जीवन का मार्ग खुलेगा, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए यह एक बड़ा सहारा बनेगा।

दरअसल, 2019 में अवैध कॉलोनियों के लिए पीएम उदय योजना को लागू किया गया था। इसके तहत भवन को नियमित करने की योजना थी। उस समय केवल 40 हजार मकानों को नियमित किया गया था और इसकी रफ्तार धीमी थी। अब प्रक्रिया को काफी आसान और तेज बनाया गया है। दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग कन्वेंस डीड जारी करेगा, जिससे लोगों को अपने घरों पर कानूनी अधिकार तुरंत मिलेंगे।

शैक्षिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईपी यूनिवर्सिटी ने आयोजित किया भारत-स्पेन संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपने पूर्वी दिल्ली परिसर में ÷द्विपक्षीय समन्वय : भारत-स्पेन संबंध और उच्च शिक्षा के अवसर÷ पर एक उच्च स्तरीय संवाद आयोजित किया, जिसमें राजनयिक, शैक्षिक और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्पेन और एंडोरा में भारत के राजदूत जयंत के और सीएससी (एशिया पैसिफिक और मध्य पूर्व) के प्रबंध निदेशक समीर मित्तल ने भाग लिया, साथ ही विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय और छात्र भी उपस्थित थे।

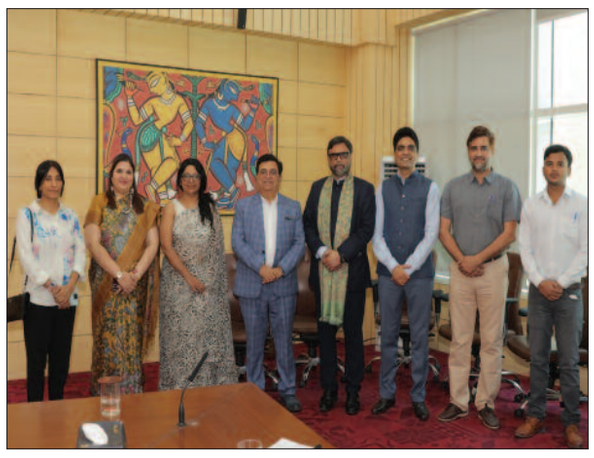

अपने संबोधन में, आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) महेश वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव को संरचित शैक्षिक साझेदारी में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के नवाचार, अनुसंधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता, स्वास्थ्य विज्ञान और प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला।

राजदूत ने वैश्विक आर्थिक और तकनीकी बदलाव के बीच भारत-स्पेन संबंधों की बढ़ती गहराई को रेखांकित किया, और कहा कि उच्च शिक्षा इस साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने भारत के जनसांख्यिकीय लाभ और अनुसंधान, गतिशीलता और ज्ञान आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया, विशेष रूप से 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष के रूप में नामित किए जाने के संदर्भ में।

समीर मित्तल ने उद्योग-शैक्षिक सरेखण के महत्व पर जोर दिया, और कहा कि कौशल-आधारित शिक्षा, वैश्विक संपर्क और सहयोगात्मक ढांचे को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जो छात्र रोजगार को बढ़ाते हैं।

चर्चा में छात्र और संकाय आदान-प्रदान, संयुक्त और दोहरी डिग्री कार्यक्रम, क्रेडिट ट्रांसफर सिस्टम, अनुसंधान सहयोग और उद्योग-समर्थित पहल जैसे कार्यान्वयन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शहरी विकास, स्थिरता और भाषा अध्ययन जैसे उभरते क्षेत्र साझेदारी के लिए प्रमुख मार्ग के रूप में पहचाने गए। संवाद का समापन भारतीय और स्पेनिश संस्थानों के बीच संरचित, परिणाम-आधारित सहयोग विकसित करने के साझा सहयोग की वचनबद्धता के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री ने 12वें इंडिया रबर एक्सपो का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को भारत मंडपम 12वें इंडिया रबर एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां आए सभी देश-विदेश के प्रतिनिधियों का दिल्ली में हार्दिक स्वागत किया। इस एक्सपो में 14 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ चीन सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और भारतीय रबर उद्योग जगत के सहभागिता कर रहे हैं। ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन 7-10 अप्रैल तक इस एक्सपो का आयोजन कर रहा है, यह एशिया का सबसे बड़ा रबर उद्योग आयोजन है। मुख्यमंत्री सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने भारत को एक सशक्त मैन्युफैक्चरिंग राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि रबर उद्योग भी इसी उभरती शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। आज भारत अपने सिविल न्यूक्लियर कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सतत प्रयासों से उद्योगों को नई गति मिली है और दिल्ली सरकार निवेश, नवाचार और उद्योग-अनुकूल वातावरण को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कालकाजी में सड़कों व ड्रेनेज सुधार की शुरुआत, जलभराव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी क्षेत्र में सड़कों और ड्रेनेज व्यवस्था को सुधारने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली नगर निगम की सेंट्रल जोन चेयरमैन योगिता सिंह के साथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना पर लगभग तीन करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बिधूड़ी ने कहा कि इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि ए से एच ब्लॉक और श्याम नगर में सड़कों और ड्रेनेज निर्माण का काम शुरू हो चुका है, जबकि शेष क्षेत्रों में भी जल्द ही कार्य कराया जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार दक्षिण दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां जरूरत हो, वहां सीवरेज, पेयजल, पार्कों में जिम और अन्य सुविधाओं के लिए शीघ्र प्रस्ताव तैयार किए जाएं। साथ ही उन्होंने मॉनसून से पहले नालों की सफाई का कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो।

निगम स्कूलों में स्वच्छ पेयजल सुविधा शुरू, विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। निगम विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत वॉटर कूलर और आरओ प्यूरीफायर स्थापित किए हैं। इन सुविधाओं का उद्घाटन विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किया गया। यह सुविधा उस्मानपुर, भजनपुरा, गौतम विहार और यमुना विहार स्थित गर्ल्स स्कूलों में शुरू की गई है। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों (छाया शर्मा, रेखा रानी और प्रमोद गुप्ता) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर अमित कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनके स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से ही राष्ट्र निर्माण को मजबूती मिलती है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पहल केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का एक व्यापक प्रयास है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी संस्था द्वारा विद्यालयों में वॉल पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया है। जनप्रतिनिधियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिल्ली सरकार ने 'मिशन अनमोल' के तहत नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग का दायरा 1.5 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख प्रतिवर्ष किया

-हर नवजात शिशुओं के लिए व्यापक स्क्रीनिंग और समय पर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम

-कार्यक्रम को और मजबूत बनाने के लिए कुल 148 पद स्वीकृत, जिसमें 73 मौजूदा पदों को जारी रखने और अतिरिक्त स्टाफ की मंजूरी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल और स्क्रीनिंग को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए दिल्ली सरकार ने 'मिशन अनमोल' को लागू करने की मंजूरी दे दी है, जो एक बेहद महत्वपूर्ण और विस्तृत नवजात शिशु स्क्रीनिंग कार्यक्रम है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राजधानी दिल्ली में जन्म लेने वाले हर शिशु में जन्मजात बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका उचित इलाज सुनिश्चित करना है।

दिल्ली के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि 'मिशन अनमोल' पहल के तहत अब हर साल 1.5 लाख की जगह लगभग 2.5 लाख नवजात शिशुओं की पूरी स्क्रीनिंग की जाएगी। हमारा लक्ष्य है कि सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग हर नवजात की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जा सके। इस विस्तार से कई प्रकार की मेटाबॉलिक, एंडोक्राइन और फंक्शनल और जन्मजात बीमारियों की समय रहते पहचान और समुचित इलाज सुनिश्चित होगा, जिससे भविष्य में नवजातों के स्वास्थ्य परिणामों में काफी सुधार होगा।

'मिशन अनमोल' पहल एक एकीकृत और टेक्नोलॉजी-आधारित कार्यक्रम है, जिसे राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों और सबसे अच्छे तरीकों के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि हर नवजात शिशुओं की पूरी स्क्रीनिंग को एक मानक के रूप में स्थापित किया जा सके। इस कार्यक्रम के तहत जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म, जन्मजात हृदय रोग, सुनने की समस्या और समय से पहले जन्मे बच्चों में होने वाली आंखों की बीमारी (रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी) जैसी स्थितियों के साथ जन्मजात बीमारियों की स्क्रीनिंग की जाएगी, ताकि प्रभावित बच्चों का समय रहते उपचार सुनिश्चित हो सके और उनके जीवन को और बेहतर बनाया जा सके।

इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा बड़े पैमाने पर इसके कार्यान्वयन में सहायता के लिए मानव संसाधनों को और मजबूत बनाना है। जिसके लिए कुल 148 पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें मौजूदा 73 प्रयोगशाला और फील्ड कर्मचारियों के पदों को जारी रखा गया है। साथ ही में 60 स्टाफ नर्सों और 15 ऑप्टोमेट्रिस्ट के रूप में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई है। स्टाफ नर्सें नवजात शिशुओं, विशेषकर समय से पहले जन्मे और गंभीर रूप से बीमार बच्चों के सैंपल लेने, सुरक्षित देखभाल के समन्वय को सुनिश्चित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वहीं, ऑप्टोमेट्रिस्ट पूरे राज्य में नवजातों की आंखों की स्क्रीनिंग ('रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी') में सहयोग करेंगे, ताकि नवजात शिशुओं में अंधेपन की समस्या को रोका जा सके। हमारा यह कार्यक्रम अस्पतालों, प्रयोगशालाओं और प्रबंधन इकाइयों के बीच एक बेहतर समन्वय स्थापित करेगा, ताकि हर नवजात की अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले पूरी तरह से स्क्रीनिंग सुनिश्चित हो सके।

अनधिकृत कॉलोनियों पर वादों की सियासत, स्थायी समाधान अब भी दूर- जगदीश ममगांई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहरी मामलों के जानकार और एकीकृत नगर निगम की निर्माण समिति के पूर्व अध्यक्ष जगदीश ममगांई ने अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में शुरू की गई पीएम-उदय योजना के बावजूद स्वामित्व अधिकार देने की प्रक्रिया अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी है। ममगांई के अनुसार, पिछले सात वर्षों में केवल लगभग 40 हजार लोगों को ही स्वामित्व अधिकार मिल पाए हैं, जबकि लाखों लोगों को लाभ मिलने का दावा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया प्रभावी ढंग से लागू नहीं हुई और इसमें संबंधित एजेंसियों की विफलता भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि पहले इस प्रक्रिया को डीडीए के माध्यम से चलाया जा रहा था, लेकिन अब इसे दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को सौंप दिया गया है। इसके बावजूद 1731 अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण का वादा अभी तक अधूरा है। ममगांई ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य देते हुए बताया कि वर्ष 1983 में 607 कॉलोनियों के नियमितीकरण का प्रस्ताव रखा गया था, जो समय के साथ बढ़कर 1731 तक पहुंच गया। वर्ष 1993 में मदन लाल खुराना सरकार और 2008 में शीला दीक्षित सरकार ने भी इस दिशा में कदम उठाए, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने कट-ऑफ तिथि बढ़ाकर सभी अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक निवासी अधिसूचना का इंतजार कर रहे हैं। इसके बजाय वर्ष 2019 में पीएम-उदय योजना के तहत स्वामित्व अधिकार के लिए आवेदन और शुल्क लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। ममगांई ने यह भी कहा कि पिछले चार दशकों में एक भी अनधिकृत कॉलोनी पूरी तरह नियमित नहीं हो सकी है। हालांकि, तोड़फोड़ से राहत देने के लिए कानूनों का बार-बार विस्तार किया जाता रहा है।

इग्नू के दीक्षांत समारोह में 3.24 लाख विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के 39वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए देशभर के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों पर 3.24 लाख से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। यह समारोह देश के सबसे बड़े वार्षिक दीक्षांत आयोजनों में से एक माना जाता है।

इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को शोध उपाधि और स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मान मिला।

समारोह के दौरान देशभर के विभिन्न केंद्रों पर भी आयोजन किए गए, जहां गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव रहा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की निरंतर प्रगति का भी प्रतीक बना।

इस अवसर पर 17 स्वयं प्रभा स्टूडियो, पूर्व छात्र पोर्टल और इग्नू प्रोफाइल 2026 का भी शुभारंभ किया गया। इन पहलों के माध्यम से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामग्री पहुंचाने में सहायता मिलेगी। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने इग्नू की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज का उत्थान और देश की प्रगति संभव है।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवनभर सीखने की प्रक्रिया है।

इग्नू की कुलपति प्रोफेसर उमा कंजीलाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यह संस्थान देश-विदेश में शिक्षा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दीक्षांत समारोह ने विद्यार्थियों के वर्षों के परिश्रम, अनुशासन और समर्पण को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

विनियमन समीक्षा समिति : अश्विनी त्यागी की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की ह्यविनियमन समीक्षा समिति के सभापति अश्विनी त्यागी के सभापतित्व एवं विधान परिषद के सदस्यों में वीरेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र भारद्वाज,श्रीचन्द शर्मा, श्री पवन कुमार सिंह,ओम प्रकाश सिंह व विधायक संजीव शर्मा एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में विनियमन समीक्षा समिति द्वारा निर्धारित बिन्दुओं की समीक्षा बैठक आहूत हुई। समिति से अरूण प्रकाश शर्मा अनुसचिव, मयंक यादव समीक्षा अधिकारी, आशीष सिंह प्रतिवेदक, अभिनव तिवारी सहायक समीक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य रूप से जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, एड.सीपी केशव कुमार चौधरी, जीडीए उपाध्यक्ष नन्दकिशोर कलाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, डीसीपी ट्रेफिक त्रिगुन बिशेन सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभापति के आगमन पर जिलाधिकारी द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत किया गया तथा गॉड ऑफ ऑनर देकर उन्हें सम्मानित किया गया। सभागार में जनपदीय अधिकारियों द्वारा सभापति सहित सभी समिति के सदस्यों का पौधा भेंट कर, शॉल ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया।

बैठक में विनियमन समीक्षा समिति में प्रस्तुत 67 बिंदुओं की विभागवार विस्तृत रूप से समीक्षा की गई, जिसमें पाया गया कि जीडीए के एक सहायक अभियंता की आईडी में तकनीकी त्रुटि होने के कारण मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हुआ। वहीं भ्रष्टाचार के मामले में जीडीए के एक अभियंता को निलम्बित किया व वहीं श्रम विभाग के एक आशुलिपिक पर विभागीय कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है और उनका प्रकरण न्यायालय में लम्बित है। वर्ष 2024 से वर्तमान समय तक माननीय विधान मंडल व लोकसभा के सदस्यों द्वारा जो भी पत्र प्राप्त हुए है उनका समयान्तराल में कार्य शुरू कराया गया या जवाब भेज दिया गया था। सभी कार्यालय में जनप्रतिनिधि हेतु रजिस्टर बनाया गया है। इसके साथ ही जनपद के सम्बंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा सभी बिन्दुओं पर धैर्यपूर्ण व विवेक के साथ सन्तोषजनक जवाब प्रस्तुत किये गये। विधायक संजीव शर्मा द्वारा समिति के समक्ष जनपद में ट्रैफिक व्यवस्था को सही कराने का प्रकरण रखा गया। सभापति अश्विनी त्यागी द्वारा समिति के माध्यम से सख्त निर्देश दिये गये कि जनपदवासियों को जाम से मुक्ति दिलाने हेतु हर आवश्यक कार्य किया जाएं, यदि कहीं सड़कों पर अतिक्रमण या अवैध पार्किंग की जा रही है तो उसे तत्काल प्रभाव से हटाया जाएं, जिससे जाम से निजात मिल सके। सभापति ने निर्देशित किया कि जनपद में कहीं भी कोई भी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा ना करने पाएं। इयदि किसी भूमाफिया द्वारा कब्जा कराया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त एवं कठोर कार्यवाही की जाएं, जिससे की भविष्य में कोई और इस प्रकार के अपराधिक कार्य ना करें। यह इसलिए भी जरूरी है कि भूमाफिया तो जमीन पर अवैध कब्जा करवा देते हैं लेकिन जब कार्यवाही होती है तो सबसे अधिक समस्या कब्जाधारियों को होती है, जो कि अपनी पूरे जीवन की कमाई उन भूमाफियों को दे चुके होते हैं। अतः जनहित एवं राजस्वहित में भूमाफियों पर कठोर कार्रवाई करना अनिवार्य है।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल, साथी सहित गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली पुलिस ने बीती रात एक साहसिक कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान मुख्य आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से अवैध देशी तमंचा, कार और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इनामी बदमाश जलवीर पंडित निवासी गांव दोसा बंजारपुर थाना भोजपुर अपने साथी जतिन शर्मा निवासी कड़कड़डूमा थाना आनंद विहार, दिल्ली के साथ कार से गदाना गांव की ओर से अपने गांव की तरफ जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर सतर्कता बढ़ा दी। कुछ देर बाद बिना नंबर की एक संदिग्ध कार पुलिस को आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने वाहन को जंगल के कच्चे रास्ते की ओर मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें जलवीर पंडित के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि घायल बदमाश जलवीर पंडित के खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगभग एक दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं और वर्ष 2024 के एक प्रकरण में फरार चलने के कारण उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि 2 अप्रैल की रात राजनगर एक्सटेंशन गाजियाबाद में रहने वाले गैंगस्टर राहुल चौधरी उर्फ कालू पर मोदीनगर क्षेत्र के सीकरी कला गांव के पास एक होटल के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गई थीं, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसका उपचार गाजियाबाद के अस्पताल में चल रहा है। इस मामले में भी जलवीर पंडित नामजद था, जबकि गिरफ्तार आरोपी जतिन शर्मा इस हमले की साजिश में शामिल बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और अन्य आपराधिक घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

संभव के तहत नगर निगम मुख्यालय पर हुआ जनसुनवाई का आयोजन, नगर आयुक्त ने सुनी समस्याएं

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय में संभव जनसुनवाई का आयोजन हुआ। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक तथा निगम अधिकारियों द्वारा आगंतुकों की समस्याओं को सुना गया। नगर आयुक्त द्वारा प्राप्त शिकायतो पर निगम अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। समस्याओं के साथ-साथ अपने सुझाव भी आगंतुकों द्वारा निगम अधिकारियों के समक्ष रखे गए, जिन पर ध्यान देने के लिए नगर आयुक्त द्वारा टीम को कहा गया। विशेष रूप से निर्माण तथा जलकल विभाग से जुड़ी समस्याएं संभव के अंतर्गत प्राप्त हुई। संभव में प्राप्त होने वाली शिकायत पर तत्काल कार्यवाही की जाए, जिसके अधिकारियों को निर्देश दिए गए और नगर आयुक्त द्वारा तेजी से कार्य करने के लिए भी कहा गया। प्राप्त शिकायत पर किसी प्रकार की देरी तथा लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जिसके लिए सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों को कार्यवाही में तेजी लाने के लिए कहा गया। संभव में कई वार्ड के पार्षदों द्वारा भी अपने क्षेत्र की समस्याओं और सुझाव को रखें गए। वार्ड संख्या 24 महरौली ग्राम, वार्ड संख्या 18 रजापुर शास्त्री नगर के पार्षद भी संभव में उपस्थित रहे। संभव में जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एसके राय, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, निर्माण विभाग से एसपी मिश्रा व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई : पानी, रसगुल्ला, लड्डू समेत 14 नमूने फेल, 21 दुकानदारों पर 5.65 लाख का जुमार्ना

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्रवाई में मिलावटखोरों पर बड़ी चोट की गई है। विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों से लिए गए 14 खाद्य पदार्थों के नमूने असुरक्षित एवं अधोमानक पाए गए हैं। इसके चलते 21 मामलों में प्रशासन ने कुल 5.65 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। सहायक आयुक्त द्वितीय सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर मार्च माह में जिलेभर में व्यापक स्तर पर सैंपलिंग अभियान चलाया गया था। इस दौरान पानी, आइसकैंडी, दूध, रसगुल्ला, जूस, तेल सहित कई खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें से कई नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में धौलाना क्षेत्र के विभिन्न पानी प्लांट साल्टेक बेवरेज, वी.डी. फूड्स एंड बेवरेज, निम एग्रो फूड्स प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, एलेन इंडिया फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, बब्लिंग रिवर प्राइवेट लिमिटेड, बिगुड बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड तथा एनर्जी बेवरेज के पानी के नमूने असुरक्षित पाए गए। वहीं धौलाना के विपिन कुमार और पिलखुवा के दिनेश स्वीट्स के रसगुल्ले तथा नाजिम, हसरत, महबूब अली और मदन लाल की दुकानों से लिए गए लड्डू के नमूने भी अनसेफ मिले। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा मिल्क केक, सरसों का तेल, पनीर, पापड़, अरहर की दाल, दूध, आइसक्रीम, क्रीम और जूस के नमूने भी जांच में फेल पाए गए। इन मामलों में एडीएम संदीप कुमार द्वारा 21 दुकानदारों पर कुल 5.65 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। कार्रवाई के तहत कमल डोसा, शुभ ट्रेडिंग कम्पनी मंडी पक्का बाग, धौलाना के पंडित जी मिष्ठान भंडार, गढ़ के गुरु किराना स्टोर, पिलखुवा के कान्हा श्याम रेस्टोरेंट, राजीव शर्मा, संदीप कुमार, रियासत, अमन कुमार, मोहन सिंघल और राहुल पर 25-25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। गढ़ के न्यू इंडिया स्वीट्स कॉर्नर पर एक लाख रुपये, हापुड़ के शर्मा जनरल स्टोर पर 15 हजार रुपये, जबकि राजीव शर्मा, हापुड़ मार्ट सी, मुकेश कुमार और सोनू पर 20-20 हजार रुपये का दंड लगाया गया। इसी प्रकार गढ़ के शाद जूस कॉर्नर और हापुड़ के दिल्ली जूस पर 10-10 हजार रुपये तथा हापुड़ के अंबर आइसक्रीम पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना किया गया है। सहायक आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जनपद में मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ाना नगर पंचायत में नामित सभासदों ने संभाली जिम्मेदारी, शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर पंचायत परिसर में मंगलवार को नामित सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। समारोह में पूर्व भाजपा विधायक उमेश मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन ने नामित सभासद कुणाल पंवार, विनीत कुमार और जोगिंदर जाटव को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के साथ ही तीनों सभासदों ने नगर विकास के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। शपथ लेने के बाद कुणाल पंवार ने कहा कि सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। साथ ही नगर पंचायत के अन्य निर्वाचित सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित कर बुढ़ाना को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श नगर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा। उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया। समारोह के अंत में पूर्व विधायक उमेश मलिक ने नव-नामित सभासदों को बधाई देते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से नगर निकाय के विकास कार्यों को नई गति और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने आशा जताई कि टीम भावना के साथ कार्य करते हुए बुढ़ाना को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर समर्थकों ने फूल-मालाओं के साथ नव-नामित सभासदों का जोरदार स्वागत किया और मिष्ठान वितरण कर खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में संजय राठी, ठाकुर रामनाथ, नाहर सिंह और मोनू ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोदीनगर में गरजे जीडीए के बुलडोजर: 26 बीघा में बस रही अवैध कॉलोनियां जमींदोज

आरव शर्मा

गाजियाबाद/मोदीनगर (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार करते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। उपाध्यक्ष के कड़े निदेर्शों के बाद प्रवर्तन दस्ते ने मोदीनगर के फफराना क्षेत्र में लगभग 26 बीघा (26,000 वर्ग मीटर) जमीन पर अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान कॉलोनाइजर्स ने टीम का भारी विरोध किया, लेकिन पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

तीन अलग अलग हिस्सों में चल रहा था निर्माण

जीडीए प्रवर्तन जोन 2 के प्रभारी के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में तीन मुख्य स्थलों को निशाना बनाया गया:

फफराना खसरा संख्या 379 व 380: यहाँ रिछपाल सिंह और रनवीर सिंह द्वारा लगभग 8000 वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी।

फफराना खसरा संख्या 354: यहाँ रविकरण और राजेन्द्र द्वारा लगभग 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में अवैध निर्माण किया जा रहा था।

श्यामसिटी एक्सटेंशन: रनवीर सिंह और दिनेश चचरा द्वारा फफराना रोड पर पूर्व स्वीकृत 'श्यामसिटी' कॉलोनी के नाम पर करीब 8000 वर्ग मीटर में अवैध विस्तार किया जा रहा था।

मौके पर नहीं मिले स्वीकृत दस्तावेज

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, इन कॉलोनियों के संबंध में न तो कोई मानचित्र स्वीकृत कराया गया था और न ही ले आउट प्लान पेश किया गया। टीम ने जब कागजात मांगे, तो कॉलोनाइजर कोई भी वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद टीम ने मौके पर बनाई गई सड़कों, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया।

विरोध के बावजूद जारी रही कार्रवाई

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर्स और उनके समर्थकों ने भारी हंगामा और विरोध प्रदर्शन किया। काम रोकने की कोशिश की गई, लेकिन प्राधिकरण के पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते ने सख्ती बरतते हुए अवैध निर्माण को मलबे में तब्दील कर दिया।

इनकी रही मौजूदगी

इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन 2 का समस्त स्टाफ और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। जीडीए ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में किसी भी तरह का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

नोट: प्राधिकरण ने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी कॉलोनी में भूखंड खरीदने से पहले जीडीए कार्यालय से उसके स्वीकृत होने की जांच अवश्य कर लें।

एटीएस की छापेमार कार्रवाई से मचा हड़कंप, महिला समेत चार संदिग्ध हिरासत में, आईएसआई से जुड़े होने का संदेह

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की बड़ी छापेमार कार्रवाई से हड़कंप मच गया। एटीएस की टीम ने कैराना और सदर कोतवाली क्षेत्रों में दबिश देकर एक महिला समेत चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सभी पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने और जासूसी गतिविधियों में संलिप्त होने का संदेह जताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार एटीएस की 12 सदस्यीय टीम ने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई को अंजाम देते हुए कैराना क्षेत्र से तीन पुरुषों को हिरासत में लिया, जबकि शामली शहर के बरखंडी क्षेत्र से एक महिला को पकड़ा गया। सभी संदिग्धों को गहन पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए देवबंद ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई हाल ही में गाजियाबाद में पकड़े गए एक संदिग्ध जासूस से जुड़े इनपुट के आधार पर की गई है। गाजियाबाद में हुई गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियों को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले थे, जिनके तार अब शामली जनपद से जुड़ते नजर आ रहे हैं। स्थानीय पुलिस सूत्रों के मुताबिक कैराना क्षेत्र से साजिद पुत्र मेहरदीन निवासी गांव नगला राई, इंतजार उर्फ टार्जन तथा एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। वहीं बरखंडी क्षेत्र से आसफा नाम की महिला को भी एटीएस ने पकड़ा है। एटीएस अधिकारियों द्वारा सभी संदिग्धों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि संभावित जासूसी नेटवर्क, संपर्क सूत्रों और आईएसआई से जुड़े कनेक्शन का खुलासा किया जा सके। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

देवबंद : सिविल कोर्ट के तीन जजों का स्थानांतरण

देवबंद/सहारनपुर (शिखर समाचार)। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा प्रदेश भर में न्यायिक अधिकारियों के तबादलों के क्रम में सिविल कोर्ट देवबंद के तीन जजों का भी स्थानांतरण कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सिविल कोर्ट देवबंद में कार्यरत एडीजे विनीत वासवानी का स्थानांतरण एटा जनपद में किया गया है। वहीं एसीजेएम परविंदर सिंह को मथुरा तथा सिविल जज प्रिंस जिंदल को बलरामपुर जनपद भेजा गया है। बताया जा रहा है कि तीनों न्यायिक अधिकारी देवबंद सिविल कोर्ट में अपना निर्धारित कार्यकाल पूर्ण कर चुके थे। उनके स्थान पर नियुक्त किए गए नए न्यायिक अधिकारी आगामी 15 अप्रैल तक अपना कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। तबादलों की इस प्रक्रिया से न्यायिक व्यवस्था में प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

तालिब खालिद बंधुओं पर एक और मुकदमा दर्ज, सांसद चंद्रशेखर ने मांगी निष्पक्ष कार्रवाई

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में तालिब खालिद बंधुओं के मामले में प्रशासन ने सख्ती बढ़ाते हुए एक और मुकदमा दर्ज किया है। सील की गई आरा मशीन को अवैध रूप से खोलकर दोबारा संचालित करने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। वहीं आजाद समाज पार्टी के प्रमुख एवं नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि आमजन का विश्वास बना रहे। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जानी चौराहा क्षेत्र स्थित आरा मशीन, जिसे पूर्व में वन विभाग के सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत सील किया गया था, उसे जानबूझकर क्षतिग्रस्त कर पुनः संचालित किया जा रहा था। प्राप्त सूचना के आधार पर की गई जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरा मशीन स्वामी हुमा तालिब, उनके पति तथा परिवार के अन्य सदस्य मोहम्मद खालिद, मोहम्मद आबिद एवं मोहम्मद तालिब ने सील तोड़कर मशीन का संचालन शुरू कर दिया। जांच में यह भी पाया गया कि आरा मशीन का नवीनीकरण नहीं कराया गया था और सक्षम अधिकारियों के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद नियमों का उल्लंघन किया गया। इस पर संबंधित सभी आरोपियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश आरामिल स्थापना विनियमन (षष्ठम संशोधन)-2018 के नियम 5/8 के तहत विधिक कार्रवाई की गई है।

थाना कोतवाली शहर, बिजनौर में इस प्रकरण में एफआईआर संख्या 0265 दिनांक 04 अप्रैल 2026 दर्ज की गई है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (इठर) 2023 की धारा 223, 329(4) एवं 346 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विवेचना प्रारंभ कर दी है। साथ ही सील्ड आरा मशीन के संचालन में वन विभाग के अधिकारियों की संभावित भूमिका को लेकर शासन को भी अवगत कराया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में शासनादेशों की अवहेलना और अवैध गतिविधियों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जा रही है और भविष्य में भी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। उधर नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर रावण ने प्रशासन से अपील की है कि इस मामले में किसी भी प्रकार की राजनीति न की जाए। उन्होंने कहा कि राजनीति करना राजनीतिक दलों का कार्य है, जबकि प्रशासन को बिना किसी दबाव के निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए, ताकि जनता का भरोसा कायम रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं ने संभाली प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारी, दिखाया नेतृत्व कौशल

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को समर्पित विशेष अभियान "मिशन शक्ति 5.0" के अंतर्गत जनपद मुजफ्फरनगर में मंगलवार को "एक दिन की जिलाधिकारी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और जागरूकता का विकास करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों की मेधावी छात्राओं ने प्रशासनिक पदों की सांकेतिक जिम्मेदारी संभालते हुए अपने कौशल का प्रदर्शन किया। दिव्यांशी यादव ने जिलाधिकारी, प्रिया यादव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की भूमिका निभाई। वहीं मानशी वर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी, आरती ने अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अंजली सक्सेना ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), एंजेल कपिल ने सिटी मजिस्ट्रेट तथा शगुन वर्मा ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद का निर्वहन किया। इस अवसर पर बालिकाओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जन समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने उन्हें शिक्षा, सुरक्षा, स्वावलंबन और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए समाज में आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस अभियान के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जा रही है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बालिकाओं को प्रमाण पत्र एवं पेन प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार सवारों ने सुरक्षाकर्मी को पीटा, केस दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र की गौर सिटी सोसाइटी में कार सवार कुछ लोगों द्वारा एक सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से गार्ड को बुरी तरह पीटा और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घायल गार्ड को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, गांव मिजार्पुर निवासी रिंकू सोसाइटी में सुरक्षाकर्मी के रूप में तैनात है। रिंकू ने बताया कि शनिवार रात करीब 12:30 बजे वह सोसाइटी में गश्त कर रहा था।

संबंध विच्छेद/सार्वजनिक सूचना

मैं अब्दुल हसन पुत्र गनी, निवासी मकान संख्या 122, मोहल्ला इस्लाम नगर, थाना कोतवाली, जनपद गाजियाबाद, यह सार्वजनिक रूप से घोषित करता हूँ कि मैं अपने पुत्र आमिर के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उससे अपने समस्त पारिवारिक संबंध विच्छेद करता हूँ तथा उसे अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। अतः भविष्य में आमिर द्वारा किए गए किसी भी कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा और उससे मेरा किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रहेगा। द्वारा सिराजुद्दीन अधिवक्ता

सरकारी नौकरी के नाम पर पिता-पुत्र पर महिला से लाखों की ठगी का आरोप, दी तहरीर

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बागड़पुर निवासी एक पिता-पुत्र पर सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से लाखों रुपये ठगने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, जिला मेरठ के थाना किठौर क्षेत्र के गांव शौल्दा निवासी सुधा शर्मा ने बताया कि उसकी जान-पहचान बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव बागड़पुर के एक पिता-पुत्र से थी। दोनों ने उसके पुत्र को स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया और इसके एवज में दस लाख रुपये की मांग की।

पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों की बातों में आकर उसने किसी तरह रकम का इंतजाम कर उन्हें दस लाख रुपये दे दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसके पुत्र की नौकरी लगने का दावा करते हुए फर्जी नियुक्ति पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेज भी थमा दिए।

जब काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो नौकरी मिली और न ही रुपये वापस किए गए, तो पीड़िता को ठगी का एहसास हुआ। इस पर उसने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आईएमएस गाजियाबाद में हैकाथॉन 2026 का आयोजन, 400 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाया तकनीकी कौशल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा हैकाथॉन 2026 का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी नवाचार, समस्या समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना रहा। इस आयोजन के अंतर्गत कुल पांच प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें कोड रेड (सूचना प्रौद्योगिकी आधारित गेमिंग), बग सेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित खोज), डीकोड एक्स (रिवर्स ब्लाइंड कोडिंग), क्वेरी क्वेस्ट (प्रश्न हल प्रतियोगिता) और आईओटीवर्स (कनेक्ट एंड इनोवेट) शामिल रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया, मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार (निदेशक, हाइपरनेक्स टेक्नोलॉजीज एलएलसी), संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर, डीन अकादमिक डॉ. गीति शर्मा तथा कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गगन वार्ष्णेय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया।

हैकाथॉन में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों एवं

महाविद्यालयों के 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों में आईआईएम विशाखापत्तनम, आरवीआईटी बिजनौर, आईआईटी दिल्ली, ए.के.जी. इंजीनियरिंग कॉलेज, काइट कॉलेज, एनआईईटी, गीता यूनिवर्सिटी, एसआरएम यूनिवर्सिटी, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, डीपीएसजी स्कूल, रयान इंटरनेशनल स्कूल, सेंट जेवियर स्कूल, इंग्राहम स्कूल, केडीबी पब्लिक स्कूल, सेंट टेरेसा अकादमी तथा सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल के छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान युग तकनीक और नवाचार का है, जिसमें युवा ही परिवर्तन के वास्तविक नेतृत्वकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि हैकाथॉन जैसे मंच विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें वास्तविक समस्याओं के समाधान में परिवर्तित करने का अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही उन्होंने नेटवर्किंग और सहयोग के महत्व पर बल देते हुए निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा दी।

संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो निरंतर सीखते हैं और चुनौतियों को अवसर में बदलने का साहस रखते हैं। उन्होंने कहा कि आईएमएस सदैव विद्यार्थियों को नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनकी रचनात्मक सोच और तकनीकी दक्षता ही उन्हें भविष्य का नेतृत्वकर्ता बनाएगी।

प्रतियोगिताओं के परिणामों में क्वेरी क्वेस्ट (प्रश्न हल प्रतियोगिता) में आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस की अंशिका शर्मा प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि आरकेजीआईटी के आदित्य सचदेवा द्वितीय और आईएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज की हर्षिता त्यागी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं बग सेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित खोज) प्रतियोगिता में ए.के.जी. इंजीनियरिंग कॉलेज के कृष्णा अग्रवाल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आरकेजीआईटी के रत्नेश चतुर्वेदी की टीम द्वितीय स्थान पर रही।

कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों के उत्साह और प्रतिभा की सराहना की गई। कार्यक्रम का समापन प्रो. अर्चना गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

ऑपरेशन विवेचना में सुधार: मेरठ रेंज में लंबित मामलों में 9 प्रतिशत की कमी

मेरठ (शिखर समाचार)। पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी द्वारा संचालित ऑपरेशन विवेचना अभियान के अंतर्गत विवेचनाओं के निस्तारण में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। 01 मार्च 2026 के सापेक्ष 01 अप्रैल 2026 की समीक्षा में लंबित विवेचनाओं में 9 प्रतिशत की कमी पाई गई है। डीआईजी ने मेरठ परिक्षेत्र के जनपद मेरठ, बुलन्दशहर, बागपत और हापुड़ में सीसीटीएनएस पोर्टल पर दर्ज लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की। इसमें जनपद मेरठ में सर्वाधिक 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। मेरठ के किठौर सर्किल में 35 प्रतिशत, सरधना में 26 प्रतिशत, सदर देहात में 19 प्रतिशत और कैंट सर्किल में 18 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट सामने आई।

जनपद बुलन्दशहर में 8 प्रतिशत कमी दर्ज की गई, जिसमें नगर सर्किल में 12 प्रतिशत और स्याना में 14 प्रतिशत की कमी प्रमुख रही। वहीं बागपत और हापुड़ जनपद में 3-3 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। हापुड़ के नगर, पिलखुवा और गढ़मुक्तेश्वर सर्किल में भी लंबित विवेचनाओं में गिरावट दर्ज हुई। तीन माह की समीक्षा (01 जनवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026) में मेरठ के दौराला व ब्रह्मपुरी सर्किल तथा हापुड़ के नगर और गढ़मुक्तेश्वर सर्किल का प्रदर्शन सराहनीय पाया गया। इसके विपरीत मेरठ के मवाना, बुलन्दशहर के शिकारपुर व डिबाई तथा बागपत के बड़ौत सर्किल में लंबित विवेचनाओं में वृद्धि दर्ज की गई, जिस पर संबंधित क्षेत्राधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने कहा कि सभी जनपदों ने बीते माह अच्छा कार्य किया है और आगे भी क्षेत्राधिकारी अपने अपने सर्किल में प्रभावी पर्यवेक्षण करते हुए विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

तीन दिवसीय बालियान प्रो कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार)
सिसौली कस्बे में तीन दिवसीय बालियान प्रो कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना और युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखना है। प्रतियोगिता में देशभर से कई प्रतिष्ठित टीमें भाग ले रही हैं, जिससे क्षेत्र में खेलों को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

प्रतियोगिता का उद्घाटन भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत और बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान ने हवन-पूजन और फीता काटकर किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल कुमार, पूर्व मंत्री योगराज सिंह तथा जाट महासभा के अध्यक्ष धर्मवीर बालियान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि नरेश टिकैत ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण खेल युवाओं में अनुशासन, प्रतिस्पर्धा और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि कबड्डी जैसे

पारंपरिक खेल युवाओं को नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कबड्डी को जमीन से जुड़ा खेल बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र ने देश को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, यह देश की प्रमुख कबड्डी प्रतियोगिताओं में से एक बन चुकी है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 5 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 2.5 लाख रुपये तथा तृतीय और चतुर्थ पुरस्कार 25-25 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत मैट पर खेली जा रही है।

यह आयोजन दो दिवंगत कबड्डी खिलाड़ियों की स्मृति में किया जा रहा है, जिनका एक दुर्घटना में निधन हो गया था। पिछले छह वर्षों से लगातार आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता का दायरा हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए रहने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रतियोगिता के पहले दिन सोरम और बरेली के बीच खेले गए मुकाबले में सोरम की टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

आईटीएस मोहन नगर में एमसीए विद्यार्थियों हेतु मेधावी सम्मान एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर गाजियाबाद में 7 अप्रैल को एमसीए विद्यार्थियों के लिए मेधावी पुरस्कार एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ टी वी विजय कुमार, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम्स साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं सुशील कुमार मेहर, मुख्य सूचना अधिकारी, एम्स नई दिल्ली, संस्थान के निदेशक डॉ सुनील कुमार पांडेय, एमसीए पाठ्यक्रम की संयोजिका डॉ पूजा धर तथा सह संयोजिका प्रो स्मिता कंसल द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

आईटीएस समूह के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। अपने संदेश में डॉ आर पी चड्ढा ने कहा कि यह समारोह विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने विश्वास जताया कि छात्र अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों के साथ राष्ट्र

निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। वहीं अर्पित चड्ढा ने कहा कि यह मंच विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और समर्पण को सम्मानित करने का सशक्त माध्यम है और उन्हें निरंतर सीखने तथा नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

निदेशक डॉ सुनील कुमार पांडेय ने अपने स्वागत संबोधन में मुख्य अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए पुरस्कृत विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एमसीए कार्यक्रम की संयोजिका डॉ पूजा धर ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, कौशल विकास और नैतिक मूल्यों को अपनाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि डॉ टी वी विजय कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ अनुसंधान, नवाचार और समस्या समाधान कौशल विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में ज्ञान के साथ उसका व्यावहारिक अनुप्रयोग ही सफलता की कुंजी है। विशिष्ट अतिथि सुशील कुमार मेहर ने विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों के साथ स्वयं को निरंतर अद्यतन रखने की प्रेरणा दी और समर्पण, अनुशासन तथा सीखने की प्रवृत्ति को सफलता का आधार बताया।

कार्यक्रम में द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के परिणामों के आधार पर शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने पर क्रमशः 15 हजार, 10 हजार और 5 हजार रुपये के चेक, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट प्रगति करने वाले शीर्ष 10 विद्यार्थियों को ह्यउन्नति पुरस्कारह्ल से सम्मानित किया गया तथा सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज करने वाले शीर्ष तीन विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सह संयोजिका प्रो स्मिता कंसल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समारोह में एमसीए विभाग के संकाय सदस्य, विद्यार्थी, अभिभावक एवं स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रतिभाओं का सम्मान समाज का गौरव : पंडित आदेश फौजी

लखनऊ (शिखर समाचार)
समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान करना न केवल गर्व की बात है, बल्कि यह समाज को नई दिशा और प्रेरणा देने का भी माध्यम बनता है। इसी उद्देश्य को लेकर 7 अप्रैल 2026 को लखनऊ स्थित प्रेस क्लब में राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ एवं मेरी आवाज सुनो फाउंडेशन द्वारा एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आरडी शर्मा ने बताया कि आगामी 11 अप्रैल 2026, शनिवार को लखनऊ के गोमती नगर स्थित उर्दू अकादमी सभागार में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में समाज सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, साहित्य (कवि एवं शायर), राजनीति तथा मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली लोगों को ह्यलखनऊ गौरव रत्नह्ल सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

वहीं संस्था के राष्ट्रीय महासचिव पंडित आदेश फौजी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि संगठन द्वारा समय समय पर इस प्रकार के आयोजन कर समाज के प्रतिभाशाली लोगों को पहचान दिलाने का कार्य

किया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्था निर्धन परिवारों की बेटियों के सामूहिक विवाह कराने तथा आर्थिक रूप से कमजोर एवं शिक्षा से वंचित बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलाने जैसे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और संस्कारों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने आगे बताया कि इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, डॉ. प्रियंका मौर्य (सदस्य, महिला आयोग उत्तर प्रदेश) सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे, जो अपने विचारों से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगे।

पत्रकार वार्ता के दौरान संस्था के सैकड़ों पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने अपने स्तर पर सहयोग करने का संकल्प लिया। संस्था के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान समारोह समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को एक नई पहचान देगा और दूसरों को भी समाजहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

अंधेरी पश्चिम मुंबई में ज्योतिष सम्मेलन, प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा को ज्योतिष पुंज ग्लोबल पुरस्कार 2026 से सम्मानित

मुंबई (शिखर समाचार)। ज्योतिष पुंज ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा महाराष्ट्र के मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित अंधेरी मनोरंजन क्लब में एक भव्य ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ विधिवत गणेश वंदना एवं ज्योतिष प्रकाशन के साथ किया गया, जिससे पूरे कार्यक्रम में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और उपस्थित सभी अतिथि एवं प्रतिभागी भावविभोर हो उठे। इस विशाल सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रख्यात ज्योतिषाचार्यों, विद्वानों एवं ज्योतिष प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी नम्रता ओझा एवं नलिन जोशी द्वारा निभाई गई, जबकि कार्यक्रम का संचालन एवं अध्यक्षता विजय दहीवडे ने प्रभावशाली ढंग से की। सम्मेलन में ज्योतिष पुंज के अध्यक्ष अश्विनी गौतम, डॉ ललित पंत, धर्मगुरु स्वामी ध्यान रहस्य तथा चंडीगढ़ से पधारे विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु सलाहकार प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जबलपुर से संजीव मेहता सहित महाराष्ट्र के अनेक प्रतिष्ठित ज्योतिषियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान ज्योतिष एवं समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा को ज्योतिष पुंज ग्लोबल पुरस्कार 2026 एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी दीर्घकालीन सामाजिक एवं

ज्योतिषीय सेवाओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों के साथ सराहा।

सम्मेलन में उपस्थित विद्वानों ने ज्योतिष के विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे तथा अपने अनुभव साझा किए, जिससे कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बन गया। इस दौरान ज्योतिष, आध्यात्म और भारतीय संस्कृति से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और वर्तमान समय में ज्योतिष की प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला गया।

अपने संबोधन में प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा ने वर्तमान समय में सामाजिक माध्यमों जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर ज्योतिष के नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक उपायों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों पर सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए, क्योंकि इससे भारतीय संस्कृति और ज्योतिष

की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है तथा आने वाली पीढ़ी इसे गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि ज्योतिष एक सत्य विद्या है, इसमें त्रुटि करने वाला व्यक्ति हो सकता है, लेकिन विद्या स्वयं कभी गलत नहीं होती।

कार्यक्रम की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, उच्च स्तरीय विचार-विमर्श एवं विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति के कारण सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने इसकी मुक्त कंठ से सराहना की और इसे महाराष्ट्र में आयोजित प्रमुख एवं प्रभावशाली ज्योतिष सम्मेलनों में से एक बताया। अंत में ज्योतिष पुंज ग्लोबल फाउंडेशन ने भविष्य में भी इसी प्रकार के भव्य, ज्ञानवर्धक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

तेज हवा, बारिश व ओलावृष्टि से फसल क्षति के आकलन को लेकर जिलाधिकारी ने सर्वे टीमें गठित कीं

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में हाल ही में तेज हवा, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को संभावित नुकसान के मद्देनजर जिलाधिकारी ने त्वरित कदम उठाते हुए राजस्व ग्राम स्तर पर सर्वे टीमों का गठन किया है। इन टीमों का उद्देश्य रबी मौसम 2025-26 की अधिसूचित फसलों में हुई क्षति का सही आकलन कर पात्र किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत क्षतिपूर्ति दिलाना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक सर्वे टीम में संबंधित ग्राम के लेखपाल, कृषि विभाग के सहायक विकास अधिकारी (कृषि), प्राविधिक सहायक, एटीएम, बीटीएम तथा बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के टोल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क करने की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा जिला एवं तहसील स्तर पर नियुक्त बीमा प्रतिनिधियों और कृषि अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने तहसील सदर के ग्राम पंचायत इनायतपुर में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों के अनुसार खेतों में फसल उत्पादन का परीक्षण कराया गया। किसान युगल कौशल की भूमि (गाटा संख्या 285) पर 10.10.10 त्रिकोण मीटर क्षेत्र में कटाई कर 22.230 किलोग्राम उपज प्राप्त हुई, जबकि किसान राजेंद्र की भूमि (गाटा संख्या 404) पर इसी मानक के तहत 22.900 किलोग्राम उपज दर्ज की गई।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं

और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्रॉप कटिंग प्रयोग फसल उत्पादन के सटीक आकलन का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे किसानों को विभिन्न योजनाओं और बीमा का सही लाभ मिल सके।

इसके पश्चात कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के तहत क्लस्टर निर्माण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि गौतमबुद्ध ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के माध्यम से बासमती धान का एक क्लस्टर पहले ही गठित किया जा चुका है। वहीं हरनंदी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के नए निर्यात क्लस्टर प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

केआरबीएल राइस एक्सपोर्ट कंपनी ने क्लस्टर घोषित होने के बाद उत्पाद निर्यात के लिए सहमति जताई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि निर्यात नीति के तहत 50 हेक्टेयर क्षेत्र में क्लस्टर बनाकर 30 प्रतिशत उत्पादन निर्यात करने पर अधिकतम 10 लाख रुपये तक अनुदान दिया जाता है। इसके अलावा कृषि उत्पादों के निर्यात पर परिवहन अनुदान के रूप में वास्तविक भाड़े का 25 प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक सहायता का प्रावधान है।

बैठक में यह भी बताया गया कि कृषि निर्यात एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम संचालित करने वाले राजकीय संस्थानों को 25 या उससे अधिक छात्रों के पंजीकरण पर 50 लाख रुपये तक का एकमुश्त अनुदान दिया जाता है।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी प्रक्रियाओं को शीघ्रता से पूर्ण कर जनपद में बासमती धान क्लस्टर के गठन को बढ़ावा दिया जाए, जिससे किसानों को कृषि निर्यात नीति का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, नाबार्ड प्रतिनिधि तथा निर्यातक मौजूद रहे।

दीवार की चिनाई को लेकर दो पक्षों में विवाद, जमकर पथराव वीडियो वायरल, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र में मकान की दीवार की चिनाई को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला पथराव तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मोहल्ला गड़रियान निवासी हरकली पत्नी मेघराज सिंह और मोहल्ला ठाकुरान निवासी स्वीटी पत्नी योगेंद्र सिंह के बीच काफी समय से दीवार की चिनाई को लेकर विवाद चला आ रहा था। आरोप है कि दो दिन पहले जब हरकली अपने मकान की दीवार की चिनाई करा रही थी, तभी सामने रहने वाली स्वीटी और उसके

परिजनों ने छत से पथराव शुरू कर दिया। बताया गया कि इसी दौरान दूसरे पक्ष के कुछ लोग सड़क पर उतर आए और जमकर हंगामा करते हुए झगड़ा करने लगे। आरोप यह भी है कि उन्होंने पीड़ित पक्ष की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए कब्जे की कोशिश को विफल किया। पथराव के दौरान घर का बिजली मीटर भी क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, महिलाओं द्वारा छत से पथराव किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेंद्र शर्मा ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर दो महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया रोष, हमले की घटना पर सख्त कार्रवाई की मांग

शामली। (शिखर समाचार) जनपद मुजफ्फरनगर के एसडी कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर डॉ. अरविंद पंवार पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में मंगलवार को जनपद शामली के शिक्षकों में गहरा रोष देखने को मिला। मां शाकंभरी विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के आह्वान पर शहर के वीवी पीजी कॉलेज और आरके पीजी कॉलेज के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया और घटना की कड़ी निंदा की। वीवी पीजी कॉलेज में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रोफेसर भूपेंद्र कुमार ने कहा कि यह घटना केवल एक शिक्षक की सुरक्षा पर ही नहीं, बल्कि पूरे शैक्षणिक वातावरण की गरिमा और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो शिक्षण संस्थानों का माहौल प्रभावित होगा और शिक्षकों में असुरक्षा की भावना बढ़ेगी। वक्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। शिक्षकों ने छात्रों की नियमित काउंसलिंग व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया, ताकि उनमें सकारात्मक सोच, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास हो सके। इसके अतिरिक्त शिक्षकों ने कॉलेज परिसरों के बाहर पुलिस की सघन गश्त सुनिश्चित करने की मांग की, जिससे शिक्षण संस्थानों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। इस दौरान डॉ. नीना छोकरा, डॉ. जयविंद्र तोमर, डॉ. बबली, डॉ. छवि, गिरिश नारायण यादव और कुणाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर, आरके पीजी कॉलेज में भी शिक्षकों और कर्मचारियों ने इस घटना के विरोध में एकजुटता दिखाई। सभी ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया और शिक्षक के साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे व्यापक स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

देवबलहारी व सुहानी ने जीती विवेक मैराथन 2026, 1400 छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग

बिजनौर (शिखर समाचार)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विवेक विश्वविद्यालय द्वारा भव्य मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में देवबलहारी तथा महिला वर्ग में सुहानी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जीत हासिल की।

द्वितीय स्थान पर पुरुष वर्ग में सनी कुमार और महिला वर्ग में सानिया रहीं, जबकि तृतीय स्थान पुरुष वर्ग में अभिषेक और महिला वर्ग में मेघा को प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त प्रथम 40 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5,100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2,100 रुपये की धनराशि पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में अलग-अलग प्रदान की गई।

मैराथन का शुभारंभ प्रातः 7 बजे नेहरू स्टेडियम से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा

अधिकारी डा. कौशलेन्द्र, जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अमित गोयल, प्रति कुलाधिपति दीपक मित्तल, कुलपति एन. के. गुप्ता तथा सीईओ अनिल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ कराया। मैराथन नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर शक्ति चौक, थाना कोतवाली, बुखारा रोड होते हुए जानी चौराहा से नूरपुर रोड स्थित विवेक विश्वविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। प्रतिभागियों की सुरक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पांच चेक पोस्ट बनाए गए थे, जहां सभी प्रतिभागियों के चेस्ट नंबर का सत्यापन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 1400 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनमें गणेश वंदना, क्लासिकल फ्यूजन, छलांग, योद्धा हूं मैं, योगा डांस, युगचक्र, मैं लड़ जाऊं, ठान लिया आशाएं आदि प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वजीत और रितु बिष्ट द्वारा किया गया।

22 दिन में 2.57 लाख का बिजली बिल! स्मार्ट मीटर बना झटका मशीन, उपभोक्ता परेशान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राजेंद्र नगर सेक्टर-5, श्याम पार्क मेट्रो स्टेशन के पास रहने वाले उपभोक्ता के घर लगे स्मार्ट मीटर ने महज 22 दिनों में 2.57 लाख रुपये का बिजली बिल थमा दिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। उपभोक्ता के अनुसार, इस अवधि में करीब 34,000 यूनिट से अधिक बिजली खपत दिखा दी गई, जो सामान्य घरेलू उपयोग के हिसाब से असंभव मानी जा रही है।

पीड़ित ने बताया कि हाल ही में मीटर बदला गया था, जिसके बाद अचानक मीटर रीडिंग में भारी उछाल (मीटर जंप) देखने को मिला। पूर्व रीडिंग और वर्तमान रीडिंग में असामान्य अंतर सामने आया है। बिल में दर्ज आंकड़ों के अनुसार, जहां पहले खपत सामान्य थी, वहीं नए मीटर के बाद कुछ ही दिनों में हजारों यूनिट बढ़ गईं। पीड़ित द्वारा विभाग में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अधिकारियों का रवैया उदासीन बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर एसडीओ और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से संपर्क करने पर जवाब मिला कि ह्लसिस्टम में अपडेट हो चुका है, अब कुछ नहीं हो सकताह्व, जिससे उपभोक्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

इस पूरे मामले में सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या स्मार्ट मीटरों में तकनीकी खामी है?

क्या मीटर बदलने के दौरान रीडिंग सही तरीके से दर्ज नहीं की गई?

या फिर उपभोक्ताओं पर गलत बिल का बोझ डाला जा रहा है?

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही इस तरह की गड़बड़ियों पर रोक नहीं लगी तो आम जनता के सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर गलत बिल को ठीक कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बनत नगर पंचायत में तीन मनोनीत सभासदों ने ली शपथ

शामली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में नगर निकायों में मनोनीत किए गए सभासदों के क्रम में मंगलवार को नगर पंचायत बनत में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी सदर अर्चना शर्मा ने मनोनीत सभासद वीरपाल, पूनम राणा और मनोज कुमार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

ज्ञात हो कि प्रदेश शासन ने जनपद की सभी नगर पंचायतों में तीन-तीन तथा नगर पालिका परिषदों में पांच-पांच सभासदों का मनोनयन किया है। इसी क्रम में बनत नगर पंचायत में भी तीन सभासदों को नामित किया गया। समारोह में सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने नवनियुक्त सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे कस्बा बनत के नागरिकों के हित में ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्षा कुसुम देवी ने की, जबकि संचालन अधिशासी अधिकारी देवकीनंदन द्वारा किया गया। इस अवसर पर धर्मवीर सिंह, इकराम अली मुन्नू, दीपक कुमार पाल, अजय कुमार, कल्लू, नीरज पाल, पूजा, अमरेश, शर्मिला, सुनीता, ओमसिंह कश्यप सहित नगर पंचायत के कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

ग्राम घंघोला की शिव साईं एचपी गैस एजेंसी पर जिलाधिकारी का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी ने ग्राम घंघोला, तहसील सदर स्थित शिव साईं एचपी गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता, सुरक्षा तथा उपभोक्ताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी प्रबंधन को दिए।

निरीक्षण के दौरान एजेंसी परिसर में उपलब्ध गैस सिलेंडरों के भंडार का भौतिक सत्यापन कराया गया। सिलेंडरों की संख्या और उनकी क्षमता की विस्तार से जांच की गई। इसके साथ ही एजेंसी में संधारित विभिन्न पंजिकाओं का अवलोकन कर उनके विधिवत रखरखाव की स्थिति का परीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी ने गैस सिलेंडरों के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों की भी जांच की और निर्धारित मानकों के अनुपालन की जानकारी प्राप्त की। गोदाम प्रभारी के विलंब से पहुंचने तथा अन्य व्यवस्थाओं में कमी पाए

जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही एजेंसी में कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति और उनकी कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का निरीक्षण कर उन्हें पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाए रखने के निर्देश दिए गए। एजेंसी परिसर में पर्याप्त पुलिस बल की अनुपस्थिति पर चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया कि सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक पुलिस बल तैनात कर निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गैस वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए तथा संबंधित अभिलेखों का सुरक्षित संधारण किया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, एजेंसी प्रबंधक तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाणिज्यिक गैस सिलेंडर आपूर्ति के संबंध में दिशा निर्देश जारी

जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में व्यावसायिक उपयोग के लिए गैस सिलेंडरों की आपूर्ति संबंधित गैस कंपनियों द्वारा एजेंसियों के माध्यम से निर्धारित मात्रा के 70 प्रतिशत तक की जा रही है।

उन्होंने व्यावसायिक उपभोक्ताओं एवं संस्थानों से कहा कि वे अपने पिछले वित्तीय वर्ष में उपयोग किए गए गैस सिलेंडरों का विवरण तथा पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस कनेक्शन के लिए किए गए आवेदन का प्रमाण संबंधित गैस कंपनी के विक्रय अधिकारी की ईमेल आईडी पर प्रेषित करें।

स्पष्ट किया गया कि 70 प्रतिशत तक की आपूर्ति केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी, जिन्होंने पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस कनेक्शन हेतु आवेदन किया है।

गढ़ नगर चौपला पर ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, अतिक्रमण बना हादसे की वजह

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ नगर चौपला पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार शुरू होने से पहले ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गढ़ नगर चौपला पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन और नगर पालिका से अतिक्रमण हटाने की मांग की है। इस मामले में गढ़ एसडीएम ने आश्वासन दिया है कि गढ़ नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में सड़क और सर्विस रोड पर किए गए अतिक्रमण को शीघ्र हटाया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और आमजन को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

मंदिरों से साढ़े तीन किलो चांदी के छत्र चोरी, दस लाख से अधिक का नुकसान

दादरी (शिखर समाचार)। दादरी कोतवाली क्षेत्र के बिसाहड़ा रोड स्थित विशाल दुर्गा मंदिर एवं भैरों मंदिर में सोमवार देर रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। चोर जंगले की ग्रिल काटकर मंदिर परिसर में घुस गए और दोनों मंदिरों से करीब साढ़े तीन किलो चांदी के तीन छत्र चोरी कर ले गए। चोरी की पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार, चोरों ने पहले भैरों मंदिर को निशाना बनाया और वहां लगी ग्रिल काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद भगवान की मूर्तियों पर लगे करीब डेढ़-डेढ़ किलो वजन के दो चांदी के छत्र चोरी कर लिए। इसके बाद चोर दुर्गा विशाल मंदिर पहुंचे और वहां मूर्ति पर लगा करीब आधा किलो चांदी का छत्र भी उड़ा ले गए। मंदिर में रखा अन्य कीमती सामान भी चोरी होने की बात सामने आई है। मंदिर के कोषाध्यक्ष नरेश गोयल ने बताया कि मंगलवार सुबह जब पुजारी मनीष कुमार मंदिर पहुंचे और साफ-सफाई शुरू की, तब चोरी की घटना का पता चला। मूर्तियों पर लगे छत्र गायब देखकर उन्होंने तुरंत मंदिर समिति को सूचना दी। घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि भैरों मंदिर में पहले भी तीन बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। लोगों ने पुलिस से जल्द खुलासा करने और मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

कंपनी में घुसकर तोड़फोड़, रंगदारी मांगने का आरोप, 6 नामजद समेत 18 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के छपरौला औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कंपनी में जबरन घुसकर तोड़फोड़ करने और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर न्यायालय के आदेश से छह नामजद व 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि दुरयाई गांव निवासी जितेंद्र सिंह की छपरौला औद्योगिक क्षेत्र में एक कंपनी है, जिसका संचालन विधिवत किया जा रहा है। आरोप है कि 27 मार्च को छपरौला गांव निवासी रजनीश अपने साथ सुमित शर्मा, डब्बू यादव, सोनू यादव सहित अन्य लोगों को लेकर कंपनी में जबरन घुस आया। आरोपियों ने अवैध कब्जे की नीयत से फैक्ट्री परिसर में जमकर तोड़फोड़ की और एक आरा मशीन को भी बाहर निकाल लिया। घटना के दौरान पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

मॉरीशस के प्रतिनिधिमंडल ने गौतम बुद्ध नगर प्रशासन से किया संवाद, प्रशासनिक व्यवस्था और विकास मॉडल का किया अध्ययन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। मॉरीशस के 26 सदस्यीय सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने जनपद गौतम बुद्ध नगर का शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भ्रमण करते हुए यहां की कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद कर प्रशासनिक ढांचे, विकास मॉडल तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने प्रतिनिधिमंडल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जिलाधिकारी ने जनपद की प्रशासनिक संरचना, शासन प्रशासन की कार्यप्रणाली तथा जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए बताया कि जिला प्रशासन शासन की नीतियों एवं योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने बताया कि गौतम बुद्ध नगर में तीन तहसील सदर, दादरी एवं जेवर तथा तीन विकास खंड बिसरख, दादरी एवं जेवर संचालित हैं। साथ ही छह नगर निकाय भी कार्यरत हैं। प्रशासनिक ढांचे में जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो एवं लेखपाल जैसे पदों के माध्यम से बहुस्तरीय व्यवस्था संचालित होती है, जो योजनाओं को प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचाने में सहायक है।

जिलाधिकारी ने यह भी अवगत

कराया कि प्रशासन पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए तकनीकी नवाचारों और ई-शासन के माध्यम से सेवाओं को अधिक सरल एवं सुलभ बना रहा है। जनसुनवाई, ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली तथा विभिन्न डिजिटल माध्यमों के जरिए नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम पोषण योजना, जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित राज्य सरकार की योजनाओं शादी अनुदान योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थियों का चयन कर योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाता है।

संवाद के दौरान जनपद की प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि गौतम बुद्ध नगर अन्य जनपदों से भिन्न है, जहां तीन विकास प्राधिकरण विकास से संबंधित कार्यों का संचालन करते हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू है, जिसके अंतर्गत पुलिस प्रशासन के साथ साथ अग्नि सुरक्षा से जुड़े कार्य भी संचालित होते हैं। साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी उप निरीक्षक बलजीत सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें साइबर अपराधों की रोकथाम, जागरूकता अभियान एवं तकनीकी उपायों के माध्यम से आमजन को सुरक्षित रखने के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के दौरान दोनों देशों के अधिकारियों के बीच प्रशासनिक अनुभवों का आदान प्रदान हुआ तथा सुशासन को सुदृढ़ करने, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

संपादकीय

ट्रंप की धमकी, ईरान की जिद और विश्व शांति के सामने बढ़ता संकट

दुनिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां कूटनीति और टकराव के बीच की रेखा बेहद पतली होती जा रही है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को एक ही रात में खत्म करने जैसी कड़ी चेतावनी देना और उसके साथ ही यह कहना कि ईरान के नेता अच्छी नीयत से बातचीत कर रहे हैं, इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक जटिल बना देता है। दूसरी ओर, ईरान द्वारा अस्थायी युद्धविराम के प्रस्तावों को ठुकराना और स्थायी समाधान के साथ प्रतिबंध हटाने की मांग करना यह संकेत देता है कि दोनों पक्षों के बीच अविश्वास की खाई अब भी गहरी बनी हुई है। यह स्थिति न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरे विश्व के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति प्रदर्शन कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह बयानबाजी सैन्य कार्रवाई के संकेत देने लगे, तब इसके परिणाम कहीं अधिक खतरनाक हो सकते हैं। ट्रंप का यह बयान, चाहे वह घरेलू राजनीति को ध्यान में रखकर दिया गया हो या वैश्विक रणनीति का हिस्सा हो, निश्चित रूप से तनाव को बढ़ाने वाला है। इससे पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच कई बार टकराव की स्थिति बन चुकी है, विशेष रूप से परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर। लेकिन इस बार जो भाषा इस्तेमाल की जा रही है, वह कूटनीतिक मर्यादाओं से आगे बढ़ती हुई नजर आती है। ईरान का रुख भी कम कठोर नहीं है। उसने साफ कर दिया है कि वह किसी अस्थायी समाधान से संतुष्ट नहीं होगा और जब तक उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंध पूरी तरह समाप्त नहीं किए जाते, तब तक किसी भी समझौते का कोई मतलब नहीं है। ईरान की यह मांग उसकी आर्थिक और राजनीतिक मजबूरियों को भी दशार्ती है। वर्षों से चले आ रहे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे वहां की जनता पर भी भारी दबाव पड़ा है। ऐसे में ईरान के लिए यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि अस्तित्व का भी सवाल बन चुका है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा असर वैश्विक शांति और स्थिरता पर पड़ सकता है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तो इसका प्रभाव तेल बाजार से लेकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार तक हर क्षेत्र में दिखाई देगा। पश्चिम एशिया पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है, और ऐसे में एक और बड़े टकराव की संभावना पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकती है। इसके साथ ही, अन्य वैश्विक शक्तियां जैसे रूस और चीन भी इस मुद्दे में अपनी भूमिका निभा सकती हैं, जिससे यह संकट और अधिक जटिल रूप ले सकता है। यहां यह भी समझना जरूरी है कि केवल सैन्य शक्ति के बल पर किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। इतिहास गवाह है कि युद्ध केवल विनाश लाता है, जबकि शांति और स्थिरता केवल संवाद और समझौते के माध्यम से ही संभव है। अमेरिका और ईरान दोनों ही देशों को यह समझना होगा कि उनकी हर कार्रवाई का असर केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा। भारत जैसे देशों के लिए भी यह स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है, और इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इसके अलावा, लाखों भारतीय नागरिक इस क्षेत्र में काम करते हैं, जिनकी सुरक्षा भी एक बड़ा मुद्दा बन सकती है। इस समय सबसे अधिक आवश्यकता संतुलित और जिम्मेदार नेतृत्व की है। बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस और सकारात्मक कदम उठाने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इस मुद्दे पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और दोनों पक्षों को बातचीत के लिए प्रेरित करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों का उपयोग कर इस तनाव को कम करने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

मन मनुष्य की वह शक्ति है, जिसके सहारे वह पुरुष से पुरुषोत्तम हो सकता है।

~~~~~~~~~

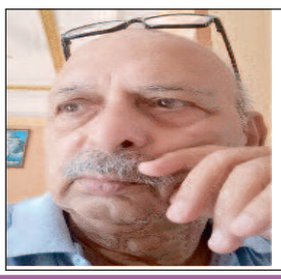

© विनय संकोची

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरूआत में आपइ ने नई राजनीतिइ का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरूआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा–ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है–कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्वइ की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमीइ की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्ढा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

लेखक जाने माने पत्रकार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उड़ान', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका

अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को ह्यभगवान का देशह्ण कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम् में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय

कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी। राज्य के करीब पैंतीस फीसद मुस्लिम वोट बैंक में सेंध का डर उन्हें सताने लगा। इसके लिए उन्होंने ऑपरेशन सगरदीघी शुरू किया और यहां से जीते कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करा दिया। कांग्रेस ने इसे विश्वासघात माना और लगता ऐसा है कि वह ममता को इन चुनावों में सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। वैसे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की ग्यारह मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर उसके प्रत्याशी पहले नंबर पर रहे थे। इसलिए कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनावों में उसे मुस्लिम वोटरों का साथ मिल सकता है। उसकी पूरी रणनीति इसी लिहाज से आगे बढ़ रही है।

साफ है कि इस बार के चुनावों में कांग्रेस जहां अपने पुराने सिपाहियों को सिखाने की कोशिश में है, वहीं खुद की संभावनाएं बेहतर करने का भी प्रयास कर रही है।
~~~~~~~~~

फ्लैट और ट्रैंडी चप्पलों का दौर

आजकल बाजार में फ्लैट स्लीपर्स फूल, तितली, डोरी, कुंदन आदि से सजने लगी हैं। आपकी ड्रेस से मैच करके भी आप इन स्लीपर्स को पहन सकती हैं क्योंकि अब ये गोल्डन, सिल्वर, ऑरेंज, ब्लू आदि ब्राइट कलर्स में बाजार में धूम मचा रही हैं।

आज के दौर में जहाँ फैशनेबल कपड़ों का ट्रेंड चला है, वहीं फैशनेबल जूते-चप्पल भी आज के दौर में युवाओं की पहचान बन रहे हैं। आपके जूते या चप्पल आपके व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। मार्केट हो या ऑफिस, फैशनेबल फुटवियर्स का हर जगह बोलबाला है।

कहते हैं आदमी की पहचान उसके जूते-चप्पलों से होती है। यह सच भी है क्योंकि यदि हमारा ड्रेसअप कितना भी अच्छा हो किंतु हमारे जूते-चप्पल फटे-पुराने हों तो हमारा इम्प्रेशन वहीं डाउन हो जाता है। आज जिस तरह से कपड़ों का फैशन निरंतर बदल रहा है, उसी प्रकार चप्पल-जूतों का फैशन भी उतनी ही तेजी से बदल रहा है।

अब तक फैशन बाजार में केवल हाई हील चप्पल, सैंडिल या जूते ही पकड़ बनाए हुए थे लेकिन अब फ्लैट चप्पल व जूते भी फैशन की दौड़ में शामिल हो गए हैं। अपने नए अंदाज के साथ बाजार में फिर से अपनी पहचान बनाने आई फ्लैट चप्पल या स्लीपर आरामदायक होने के साथ-साथ फैशनेबल भी है। आज मार्केट में तरह-तरह की वैरायटियों व रेंज में अलग-अलग रंगों में फैशनेबल चप्पलें उपलब्ध हैं।

एक वक्त था, जब बाजार में केवल ब्लैक, ब्राउन, रेड आदि सिलेक्टेड कलर्स की स्लीपर का ही चलन था किंतु अब गोल्डन, सिल्वर व ब्राइट कलर्स की चप्पलें बाजार में धूम मचा रही हैं। यही नहीं आजकल मेट, लकड़ी, रबर व रंग-बिरंगे कपड़ों की तरह-तरह की चप्पलें आजकल की युवा लड़कियों को लुभा रही हैं।

कोल्हापुरी चप्पलें :

एक लंबे अरसे से बाजार से गायब हुई कोल्हापुरी चप्पलें अब फिर से एक नए अंदाज में फैशनप्रेमियों को लुभाने आई हैं। पहले फ्लैट चप्पलों में कोल्हापुरी चप्पलें नाम से बिकती थीं। पहले ये चप्पलें केवल ब्लैक, ब्राउन, रेड आदि चुनिंदा रंगों में ही मिलती थीं परंतु अब ये ब्लू, गोल्डन, सिल्वर व हरे रंग के वर्क के साथ मार्केट में अपनी वापसी कर रही हैं।

फ्लैट स्लीपर्स :

इन दिनों मार्केट में फ्लैट स्लीपर्स का बोलबाला है। इन स्लीपर्स की खासियत यह है कि इन्हें जींस, सूट, केप्री आदि सभी प्रकार के फैशनेबल ड्रैसेस के साथ पहनकर स्वयं को एक फैशनेबल लुक दिया जा सकता है। आजकल बाजार में फ्लैट स्लीपर्स फूल, तितली, डोरी, कुंदन आदि से सजने लगी हैं। आपकी ड्रेस से मैच करके भी आप इन स्लीपर्स को पहन सकती हैं क्योंकि अब ये गोल्डन, सिल्वर, ऑरेंज, ब्लू आदि ब्राइट कलर्स में बाजार में धूम मचा रही हैं।

बगैर बेल्ट की चप्पलें :

फ्लैट चप्पलों में बिना बेल्ट की अँगूठे वाली चप्पलों का चलन अधिक है। अपने नए लुक व आकर्षक रंगों के साथ बाजार की रौनक बनी ये चप्पलें फैशनेबल चप्पलों की श्रेणी में आती हैं।

फ्लैट मोजड़ी :

फ्लैट मोजड़ी और चूड़ीदार सलवार लड़कियों की पहली पसंद होते हैं शायद इसीलिए राजस्थानी मोजड़ियाँ एक बार फिर से बाजारों की रौनक बन रही हैं। रंग-बिरंगी मोजड़ियों पर चमकीले धागों की सुंदर कारीगरी इन्हें और भी खूबसूरत लुक प्रदान करती है। ये सदाबहार राजस्थानी मोजड़ियाँ शादी व पार्टी में धूम मचाने के लिए एक परफेक्ट फुटवियर हैं।

जब बच्चा हो जाए छः महीने का

माँ के दूध के साथ दें ठोस आहार

शिशु के लिए माँ का दूध सर्वोत्तम होता है लेकिन जब बच्चा बड़ा हो जाता है तब उसे माँ के दूध के साथ किसी ठोस आहार की भी आवश्यकता होती है। इससे बच्चे की भूख भी मिटती है और बच्चा धीरे-धीरे बाहर का खाना भी सीख जाता है। ठोस आहार के रूप में आप बच्चों को उबली हुई सब्जियाँ, मैश किए हुए फल, चावल, दलिया आदि भी दे सकते हैं।

बच्चों के आहार संबंधी जानकारियाँ -

- जन्म से पाँच-छः महीने तक शिशु के लिए माँ का दूध ही सर्वोत्तम आहार होता है।
- छठे महीने से बच्चों को बेबी फुड, मेश किए फल व दालों का पानी देना शुरू कर देना चाहिए।
- छोटे बच्चों को अधिक मीठे, तेज मिर्च-मसाले वाले व वसायुक्त भोजन देने से परहेज करना चाहिए।
- आठ से बारह माह के बीच बच्चों को ब्रेड, टोस्ट आदि खिलाना चाहिए।
- ध्यान रहे बच्चों का खाना ताजा होना चाहिए। ऐसा न हो कि मेश किए हुए फल को आप एक घंटे बाद बच्चों को खिलाएँ।
- बच्चों के खाने में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।
- उन्हें जिस खाने से एलर्जी हो, वो खाना उन्हें नहीं देना चाहिए।

आम का गूदा तथा दूध, शक्कर मिलाकर माइक्रोवेव में 12 मिनट तक रखें।

आम की बर्फी

सामग्री : पके हुए आम का गूदा 1 कटोरी, डेढ़ कटोरी शक्कर, 1 कटोरी दूध, थोड़ी-सी पिसी शक्कर, इलायची पावडर।

विधि : आम का गूदा तथा दूध, शक्कर मिलाकर माइक्रोवेव में 12 मिनट तक रखें। फिर बाहर निकालकर फिर से अच्छे से मिक्स करके 5 मिनट माइक्रोवेव में पकाएँ। आम बर्फी फिर बाहर निकालकर उसे हिलाते हुए तीन टी स्पून पिसी शक्कर मिलाएँ और इलायची पावडर डालकर घी (चुपड़ी) लगी हुई थाली में जमने के लिए रख दें। ऊपर से चाँदी का वर्क चिपका दें। ये आपकी आम की बर्फी तैयार है।

यदि आप पतली हैं तो बड़े-बड़े फ्लॉवर प्रिंट की साड़ियाँ आप पर खूब फबेंगी इससे आपका शरीर भरा-भरा लगेगा और साड़ी में भी आपका आकर्षक व्यक्तित्व नजर आएगा। ज्यॉमैट्रिक प्रिंट्स भी आपके लिए बेहतर सिलेक्शन साबित होंगे।

जैसा अवसर वैसी साड़ी

साड़ी पहनने का अंदाज बनाए उसे खास

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो हर उम्र व कद-काठी की महिला पर फबता है। कितने ही फैशन आए और चले गए परंतु साड़ी ऐसा फैशन है, जो अब तक बरकरार है।

भारतीय संस्कृति में सादगी व सुंदरता की प्रतीक साड़ियाँ आज फैशन स्टेटमेंट बन गई हैं, जिसे हॉट और ग्लैमरस लुक पाने के लिए भी पहना जाता है।

आप भी यदि अपना साड़ी पहनने का अंदाज बदल दें तो आप भी इस भारतीय परिधान में हॉट व ग्लैमरस लग सकती हैं। साड़ी ही एक ऐसा परिधान है, जिसे पहनने के अंदाज से मोटे से पतला व पतले से मोटा लगा जा सकता है। हमारे देश में अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग प्रकार की साड़ियाँ पहनी जाती हैं। ये साड़ियाँ उन अवसरों को खास बनाती हैं। आइए जानें कि आपका परफेक्ट साड़ी सिलेक्शन कैसा हो -

ऑफिस में पहनें कॉटन साड़ी :

कॉटन साड़ी सदाबहार साड़ियों की श्रेणी में आती है। यह ऑफिस में पहनने के लिए एक बेस्ट परिधान है। यह आपको एक एलिगेंट लुक देगी। कॉटन की साड़ी पहनने की एक जरूरी शर्त यह है कि आपको इस साड़ी को पहनने का तरीका याद होना चाहिए क्योंकि यदि आपको कॉटन की साड़ी पहनने का तरीका नहीं आता तो यह साड़ी आपको पतले से मोटा बना देगी।

रिच लुक देगा सिल्क :

रिच लुक पाने के लिए सिल्क की साड़ियाँ सबसे बेस्ट होती हैं। इसे आप ऑफिस या समारोह दोनों में आसानी से पहन सकती हैं। ऑफिस में पहनने के लिए केवल बॉर्डर वाली सिल्क की साड़ियों का चयन करें तथा पार्टी के लिए भी एम्ब्रायडरी वाली सिल्क की साड़ियाँ खरीदें।

शादी-ब्याह के लिए बनारसी साड़ी :

शादी-ब्याह व अन्य शुभ समारोहों पर गहरे रंगों की साड़ियाँ पहनना सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। ऐसे शुभ अवसरों के लिए बनारसी और कांजीवरम की साड़ियाँ बेस्ट होती हैं।

अगर आप पतली हैं :

यदि आप पतली हैं तो बड़े-बड़े फ्लॉवर प्रिंट की साड़ियाँ आप पर खूब फबेंगी। इससे आपका शरीर भरा-भरा लगेगा और साड़ी में भी आपका आकर्षक व्यक्तित्व नजर आएगा। ज्यॉमैट्रिक प्रिंट्स भी आपके लिए बेहतर सिलेक्शन साबित होंगे। जार्जेट या सिल्क की साड़ियाँ आपके आकर्षक व्यक्तित्व के लिए नितांत आवश्यक हैं।

यदि मोटी हैं आप :

मोटापा महिलाओं की एक आम समस्या है, जिससे कई महिलाएँ परेशान रहती हैं। मोटे लोगों को कपड़ों के सिलेक्शन पर बहुत अधिक ध्यान देना चाहिए। अगर आपका कद छोटा व वजन ज्यादा है तो आप छोटे फ्लॉवर प्रिंट वाली साड़ियों का चयन करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3852

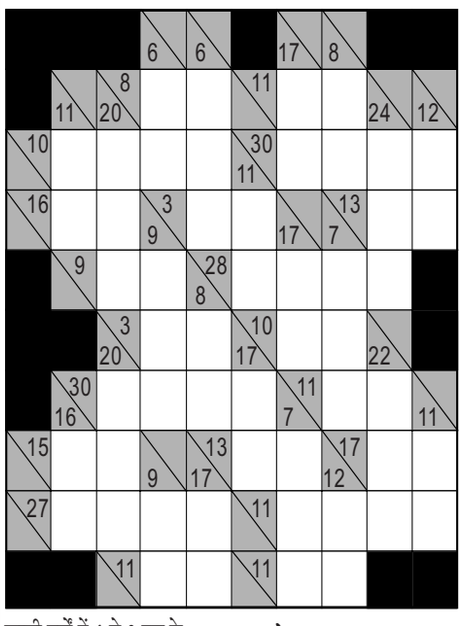

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

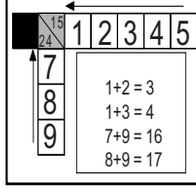

काकुरो - 3851 का हल

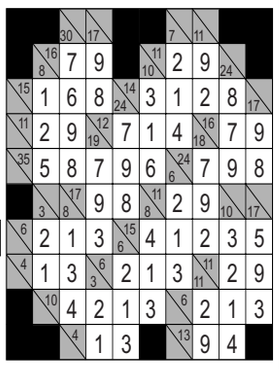

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.'यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3852

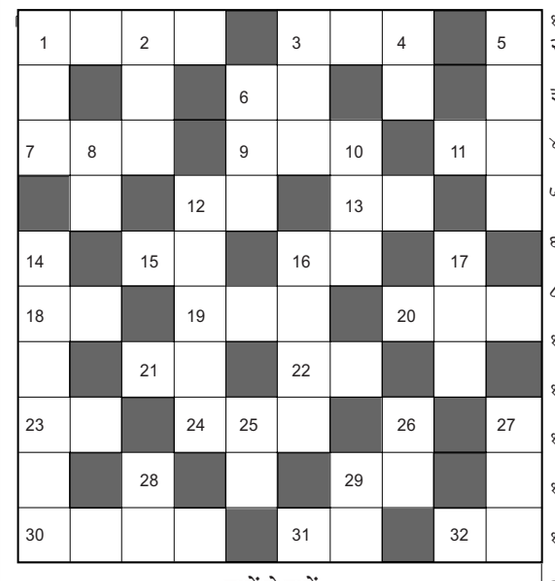

ऊपर से नीचेः-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3851

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		ज्ञा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	ह्म	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

सूडोकु -3852

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3851 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3852

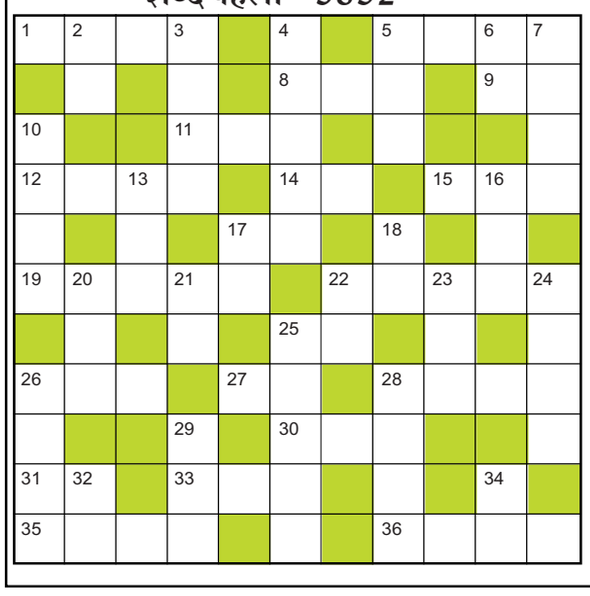

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा,इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा,क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर,शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा,अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर,आकर्षक-5
22. अनासक्ति,निर्विकारता-5
25. पानी,नीर-2
26. सूखा,दुष्काल-3
27. कांटा,कंटक-2
28. शांति,ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31. लाख,गोंद-2
33. मधुक,महुआ-3
35. हृदयगति,स्पंदन-4
36. अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख,पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5. वियोग,जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता,अकेलापन-4
10. मरियल,निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म,गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम,नमस्कार-3
32. लड़ी,श्रृंखला-2
34. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3851 का हल

	बि	ज	ली	घ	र		मा	न	सि	क
दि	ल		ड		ख	न	न		ना	रा
ल		धा	र	दा	र		क	ली		मा
दु	ला	रा			खा	स		ख	प	त
ख		धा		ना	व		ग		र	
ना	म	र	ख	ना		च	म	क	दा	र
	यू		त		स	र		ट		वा
ह	र	म		शा	म			पी	स	ना
ड़		य	श		का	रा	वा	स		हो
ता	न		प	ग	ली		न		म	ना
ल	थ	प	थ		न	ग	र	ब	धु	

शेयर बाजार में हरियाली.सेंसेक्स 510 अंक बढक़र 74617 पर बंद, निफ्टी 155 अंक चढक़र 23124 पर पहुंचा; आईटी और मेटल शेयर्स में खरीदारी रही

4 दिन में निवेशकों की झोली में आए 17 लाख करोड़

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण निवेशकों का मनोबल बढऩे से मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई।

आईटी शेयरों में खरीदारी ने शुरुआती नुकसान के बाद बाजारों में रिकवरी में मदद की। घरेलू शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन हरे निशान पर क्लोजिंग हुई है। खास बात तो ये है कि लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार ने इस तरह यूटर्न लिया। जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। इन चार दिनों में शेयर बाजार में 3.50 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से निवेशकों की झोली में करीब 17 लाख करोड़ रुपए आ गए हैं। इसका मतलब है कि अप्रैल के महीने में शेयर बाजार बिल्कुल भी फेल नहीं हुआ है। ये तेजी और भी बेहतर हो सकती थी, अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली ना हुई होती। लेकिन लगातार एफआईआई की बिकवाली की वजह से बाजार की तेजी को थोड़ा थामकर ही रखा है।मंगलवार को शुरुआती गिरावट से ऊबरकर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत बढक़र 74,616.58 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान, इसने 74,686.32 का उच्च और 73,282.41 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 1,403.91 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत चढक़र 23,123.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन पिछडऩे वालों में शामिल थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत गिरकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल

अप्रैल के महीने में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल देखने को मिल चुका है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स में अप्रैल के 4 कारोबारी दिनों में 2,669.03 अंकों की तेजी यानी 3.71 फीसदी की बढ़त देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि सेंसेक्स 72 हजार अंकों से नीचे के लेवल से उबरते हुए 75 हजार अंकों के करीब पहुंच चुके हैं।

अगर बात मंगलवार की करें तो सेंसेक्स 509.73 अंकों की तेजी के साथ 74,616.58 अंकों पर बंद हुआ। वैसे सेंसेक्स 73,734.36 अंकों पर ओपन हुआ था। जोकि ट्रेडिंग डे के दौरान 74,686.32 अंकों के साथ हाई पर पहुंच गया। वैसे सबह के वक्त शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी और कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 73,282.41 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर पहुंच गया था।

निफ्टी में भी आई तेजी

वहीं दूसरी ओर अप्रैल के महीने में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी में भी काफी तेजी देखने को मिल चुकी है।

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी में लगातार चार कारोबारी दिनों में 3.50 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि निफ्टी में 792.25 अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है। पिछले महीने के आखिरी कारोबारी दिन निफ्टी 22,331.40 अंकों पर बंद हुआ था, जोकि 23,100 अंकों के लेवल को पार कर चुका है। अगर बात बुधवार की करें तो निफ्टी 155.40 अंकों की तेजी के साथ 23,123.65 अंकों पर बंद हुआ। वैसे निफ्टी 22,838.70 अंकों पर ओपन हुआ था।

जोकि कारोबारी सत्र के दौरान 23,153.85 अंकों के साथ दिन के हाई पर आ गया था। जबकि सुबह के समय निफ्टी नेगेटिव था, और कारोबारी दिन 22,719.30 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर चला गया था।

एयर इंडिया ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, दूरी के अनुसार अब अलग शुल्क लागू

मुंबई ।

एयर इंडिया ग्रुप ने दुनिया भर में विमान ईंधन की कीमतों में लगातार उछाल के चलते अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 8 अप्रैल से ज्यादातर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर लागू होगी, जबकि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बढ़ा हुआ शुल्क 10 अप्रैल से लागू होगा। एयरलाइन का कहना है कि यह कदम पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बीच हुई चर्चाओं के बाद उठाया गया है। घरेलू हवाई ईंधन की बढ़ती कीमतों पर 25 प्रतिशत की सीमा तय की गई थी। कंपनी ने लागत संतुलित करने के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क लेना आवश्यक समझा। घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया ने अब फ्यूल सरचार्ज में नई प्रणाली अपनाई है। पहले सभी यात्रियों के लिए एक समान शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब यह दूरी के आधार पर तय होगा। यानी जितनी लंबी यात्रा, उतना अधिक शुल्क। एयरलाइन का कहना है कि यह बदलाव ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बोझ को यात्रियों पर संतुलित रूप से बांटने के लिए किया गया है।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे के भाव में तेजी

नई दिल्ली ।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे का वायदा भाव मंगलवार को तीन रुपये की बढ़त के साथ 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले तांबे के अनुबंध का भाव तीन रुपये चढ़कर 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इस दौरान 126 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार बाजार प्रतिभागियों के ऊंचे दांव लगाने से तांबे की कीमतों में यह तेजी देखने को मिली।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर, प्रीमियम फ्यूल महंगा

नई दिल्ली ।

दिल्ली में सरकारी पंपों पर 7 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात है कि नियमित पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर पर कायम हैं। वहीं प्रीमियम ईंधन महंगा है, जिससे उच्च-श्रेणी के वाहन मालिकों की जेब पर असर पड़ा है। नई दिल्ली के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में पेट्रोल 105 रुपए से ऊपर है। मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई में भी कीमतें 100 के आसपास बनी हुई हैं। शेल इं डिया और नायरा इनर्जी में पेट्रोल 99-100 रुपए और डीजल 92-93 रुपए पर बिक रहा है। एक्सपी 100 और एक्स्ट्रा ग्रीन की बढ़ी कीमतें प्रीमियम उपयोगकर्ताओं को महंगी पड़ रही हैं। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें उच्च स्तर पर हैं।

रणवीर सिंह बने जिंदल स्टेनलेस के पहले ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और देशव्यापी सेलिब्रिटी एंडोर्सर घोषित किया है। कंपनी का उद्देश्य अपने ब्रांड और उपभोक्ताओं के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना है। कंपनी ने कहा कि रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से जुड़ाव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। यह साझेदारी स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को देशभर के लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। जेएसएल के पास भारत और विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं, जिनमें स्पेन और इंडोनेशिया शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

एयर इंडिया में बड़ा बदलाव, सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

- नए सीईओ की तलाश तेज, बढ़ती लागत और चुनौतियों के बीच नेतृत्व परिवर्तन

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में बड़े नेतृत्व बदलाव की खबर सामने आई है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि नए प्रमुख की नियुक्ति तक वह जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। एयर इं डिया में एक अहम बदलाव के तहत सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका इस्तीफा कंपनी के बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, नेतृत्व में किसी प्रकार की अस्थिरता से बचने के लिए विल्सन सितंबर 2026 तक या नए सीईओ की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि विल्सन पहले ही संकेत दे चुके थे कि वे लंबे समय तक इस पद पर नहीं रहेंगे। इसी कारण कंपनी ने जनवरी 2026 से ही नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी थी। इस पद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई अनुभवी एविएशन लीडर्स के नामों पर विचार किया जा रहा है और जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। एयरलाइन को परिचालन बाधाओं, बढ़ती ईंधन लागत और वैश्विक हालात के चलते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का घाटा 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

निसान मोटर ने महाराष्ट्र में किया अपने नेटवर्क का विस्तार

मुंबई ।

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर ने महाराष्ट्र के मुंबई में दो शोरूम और एक सर्विस सेंटर की शुरुआत की है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि घाटकोपर में 2,000 वर्ग फुट और मालाड में 2,100 वर्ग फुट क्षेत्र में दो आधुनिक शोरूम खोले गए हैं। इसके अलावा कांदिवली में 7,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक सर्विस वर्कशॉप शुरू की गई है जहां हर महीने 300 कार तक की सर्विस की जा सकेगी। कंपनी ने कहा कि यह विस्तार भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर बिक्री एवं सेवा अनुभव उपलब्ध कराने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। निसान मोटर इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि मुंबई में नए शोरूम तथा 'वर्कशॉप' के साथ हमने महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इस क्षेत्र में ग्राहकों की मांग मजबूत बनी हुई है और निसान ब्रांड के लिए यहां विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के देशव्यापी नेटवर्क विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है जो ग्राहकों के और करीब पहुंचने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना

– सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पे श्चिम ऐ शिया संकट से प्रभो वित कारोबो रियों विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने के बारे में सोच रही है। इस योजना ने कारोबो रियों को राहत मिल सकती है। सूत्रों के मुतो बिक इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा। ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था। इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके।

ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे और अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था।इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी ताकि कर्ज की लागत कम रहे एवं ऋण बिना 'प्रोसेसिंग' (प्रक्रिया) शुल्क, पूर्व भुगतान शुल्क और गारंटी शुल्क के दिए जाते थे। यह योजना 31 मार्च 2023 तक लागू रही। इस बीच सरकार ने आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हाल में कई कदम भी उठाए हैं जिनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती शामिल है।भारत ने पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया है। साथ ही महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर छूट दी है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति भी दी गई है। असरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया था ताकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के असर से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

एसडीएचआई को चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका

- भारत में बनेगा पहला अमोनिया ईंधन चालित वाणिज्यिक जहाज

मुंबई ।

स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है।

यह ठेका श्रेणी-4 का है और 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच है। एसडीएचआई के अनुसार, पहला जहाज अक्टूबर 2029 तक सौंपा जाएगा और उसके बाद के जहाज हर चार महीने पर तैयार होंगे। प्रत्येक जहाज की लंबाई 229.5 मीटर और चौड़ाई 37 मीटर होगी। इनमें अमोनिया ईंधन से चलने वाली डुअल-फ्यूल प्रणोदन प्रणाली होगी।

कंपनी ने बताया कि ये जहाज भारत में बने सबसे बड़े वाणिज्यिक जहाजों में शामिल होंगे। एसडीएचआई के निदेशक ने कहा कि यह परियोजना भारतीय जहाज निर्माण उद्योग के लिए तकनीकी क्षमता और पैमाने दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाती है। एसडीएचआई की यह सफलता न केवल पिपावाव शिपयार्ड की क्षमताओं पर वैश्विक भरोसा दिखाती है, बल्कि भारत के ग्रीन शिपिंग क्षेत्र में एक बड़ा कदम भी साबित होती है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी और पेंट इंडस्ट्री पर दबाव, बढ़ेगी महंगाई

– बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान होंगे महंगे, पैकेट साइज घटेगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अब आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखा रही हैं। बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान महंगे होने के कगार पर हैं। कंपनियां लागत बढ़ने से निपटने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी या पैकेट साइज घटाने की रणनीति अपना रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लाहोरी जीरा जैसे ब्रांड ने महीने की शुरुआत से चुनिंदा उत्पाद महंगे कर दिए हैं। खाद्य तेल कंपनियों ने 4-5 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। पाम ऑयल की बढ़ती कीमतें बीकाजी, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी कंपनियों के लिए भी चिंता का कारण बनी हैं। पाम ऑयल साबुन निर्माण का अहम कच्चा माल है, जिससे हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज जैसी कंपनियों पर भी लागत का दबाव बढ़ गया है। एलपीजी पर निर्भर पैक्ड फूड कंपनियों ने उत्पादन घटाया या अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे सप्लाई पर असर पड़ सकता है और उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। जायडस वेलनेस के एक अे धिकारी के अनुसार कंपनियां छोटे पैकेटों का वजन

कम कर सकती हैं, जबकि बड़े पैक के दाम सीधे बढ़ाए जा सकते हैं। पेंट उद्योग में करीब 40 फीसदी कच्चा माल कच्चे तेल से जुड़ा है।

बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलैक और जेएसडब्ल्यू डुलक्स पहले ही दाम बढ़ा चुके हैं। एशियन पेंट्स आने वाले समय में 6-8 फीसदी तक कीमत बढ़ा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती लागत के कारण कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। इसका असर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

एनसीएलएटी ने फ्यूचर लाइफस्टाइल की दिवाला प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करने निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन की दिवाला समाधान प्रक्रिया को तीन महीनों के भीतर पूरा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी की महत्वपूर्ण संपत्ति को खाली कराने की एक लेनदार की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह संपत्ति कंपनी के संचालन और समाधान प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने समाधान पेशेवर और एनसीएलटी से कहा कि वे पूरी प्रक्रिया को जल्द से जल्द निपटाएं और यदि संभव हो तो इसे आज से तीन महीने के भीतर पूरा करें। अदालत ने अपने 18 पन्नों के आदेश में बताया कि अपील में शामिल संपत्ति ही कंपनी का वह मुख्य परिसर है, जहां उसका संचालन 'सेंट्रल' ब्रांड के तहत जारी है। अदालत ने यह भी कहा कि कंपनी के कुल कारोबार का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा इसी संपत्ति से आता है। इसलिए इसे कंपनी के पास बनाए रखना और दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान संचालन जारी रखना जरूरी है। किशोर बियाणी के नेतृत्व में फ्यूचर ग्रुप का खुदरा कारोबार देशभर में सेंट्रल और ब्रांड फैक्ट्री जैसी बड़ी स्टोर श्रृंखलाओं के माध्यम से संचालित होता था। फ्यूचर लाइफस्टाइल के पोर्टफोलियो में ली कूपर, चैंपियन और स्कलर्स जैसे दर्जनों फैशन ब्रांड शामिल थे। बैंक ऑफ इंडिया की याचिका पर 4 मई 2023 को एनसीएलटी मुंबई पीठ ने कंपनी के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू की थी।

- 2025 में रिकॉर्ड रिटर्न के बाद अचानक बदलाव

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने निवेशकों को चौंका दिया है। 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली कीमती धातुएं सोना और चांदी अब लगातार गिरावट का सामना कर रही हैं। वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती ने बुलियन के दामों पर दबाव डाल दिया है। 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया था। चांदी की कीमत में 165 फीसदी से अधिक और सोने में 75 फीसदी से अधिक की बढ़त हुई थी। जनवरी 2026 में यह तेजी जारी रही, जब सोना 5,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया और चांदी 121 डॉलर प्रति औंस तक। इस प्रदर्शन ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक और निवेशक अपने पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव कर रहे थे। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के शुरू होने पर सोना और चांदी में हल्की तेजी देखने को मिली। शुरुआत में निवेशकों ने इसे सुरक्षित निवेश की तरह देखा। हालांकि, यह तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। युद्ध लंबा खिंचता गया और तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जिससे सोना और चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। एक्सिस सिक्योरिटीज के एक वे रिष्ठ विश्लेषक के अनुसार अमेरिका ने ईरान की प्रतिक्रिया का गलत आकलन किया था। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने और महंगाई के बढ़ने से फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हुई। अपने रिकॉर्ड हाई से अब तक सोने की कीमत लगभग 16 फीसदी गिरकर 4,680 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है।

चांदी में और तेज गिरावट देखने को मिली है, जो 35 फीसदी से अधिक टूटकर करीब 74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट करता है कि किसी लंबी अवधि के युद्ध में प्रारंभिक तेजी अक्सर टिक नहीं पाती। ऐतिहासिक डेटा भी यही दिखाता है।

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के पहले हफ्ते में सोना 4 फीसदी और चांदी 6 फीसदी बढ़ी थी, लेकिन बाद में कीमतें गिर गईं। इसी तरह भारत-पाकिस्तान संघर्ष 2025 में अपेक्षाकृत छोटा और सीमित प्रभाव वाला रहा, इसलिए कीमतें स्थिर रही।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्य धर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं।

अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, 'वाह! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।'

उन्होंने साथ ही लिखा, 'एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद।'

आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, 'इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था। उन्होंने कहा था कि करीब चार घंटे की फिल्म के दौरान वह एक बार भी नहीं हिले और रणवीर सिंह के अभिनय को उन्होंने शीर्ष स्तर का बताया। अभिनेत्री अनुष्का ने भी फिल्म की सोच और क्राफ्ट की तारीफ की थी। उन्होंने इसे 'रोमांचक और डूब जाने वाला' बताया और आदित्य की सोच और कास्ट की एक्टिंग की सराहना की थी।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाड़ियों में गिना जाता रहा है।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेंगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11ः00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6ः30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच

खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप से मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप 2026 के मिश्रित युगल में शुरूआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां मंगलवार को पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में 16-21, 15-21 से हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरूष एकल में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरूष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एच एस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि

वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे

संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को SRH का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में स्क्वाड ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह

उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।'

उन्होंने कहा, 'तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।'

क्लासेने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।'

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जतायी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, 'आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लंघन नहीं करना चाहिये।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

क्या बदलेगा आईपीएल का पूरा फार्मेट? ललित मोदी के दावे से मचा हड़कंप, हजारों करोड़ हैं दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है और इस बार वजह है लीग के पूर्व आयुक्त ललित मोदी का बड़ा दावा। उन्होंने कहा है कि मौजूदा प्रारूप के कारण लीग हर साल हजारों करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

बता दें कि हाल ही में दो टीमों की ऊंची कीमत पर बिक्री के बाद आईपीएल की कुल वैल्यू को लेकर काफी उत्साह देखा गया, लेकिन ललित मोदी का मानना है कि मौजूदा ढांचा पूरी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने यह सवाल उठाया है कि जब लीग में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो चुकी है, तो फिर सभी टीमों के बीच पूरा घरेलू और बाहरी मुकाबलों का प्रारूप क्यों लागू नहीं किया जा रहा है।

गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत में हर टीम के लिए तय था कि वह बाकी सभी टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। अगर इसी मॉडल को लागू किया जाए तो लीग चरण में कुल मुकाबलों की संख्या करीब 90 तक पहुंच सकती है, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होते हैं। लेकिन फिलहाल लीग 74 मुकाबलों के साथ ही चल रही है, जिससे कई संभावित मैच कम हो जाते हैं।

ललित मोदी का कहना है कि हर मुकाबले से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे बोर्ड और टीमों को जाता है। ऐसे में जब मैच कम होते हैं तो सीधा असर टीमों की कमाई और उनकी वैल्यू पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ खेल का मामला नहीं बल्कि एक व्यावसायिक समझौता है, जिसमें टीमों को घरेलू और बाहरी दोनों तरह के मुकाबले मिलने चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अनुमान लगाया है कि अगर पूरा घरेलू-बाहरी प्रारूप लागू किया जाए तो केवल प्रसारण अधिकारों से ही हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका दावा है कि इससे बोर्ड को बड़ा फायदा होगा और टीमों की कमाई भी बढ़ेगी, जिससे उनकी बाजार कीमत अपने आप बढ़ जाएगी।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक बन चुकी है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रारूप को लेकर उठ रहे सवाल यह संकेत देते हैं कि भविष्य में लीग के ढांचे पर फिर से विचार किया जा सकता है। हालांकि, व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के कार्यभार जैसे मुद्दे भी इस फैसले को प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर यह बहस अब सिर्फ मैचों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि लीग के आर्थिक मॉडल और दीर्घकालिक रणनीति से भी

जुड़ गई है। आने वाले समय में इस पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्रन्-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विनम्र होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्नशिप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और

उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज़ की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मर्शियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडू के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंतत: 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह ‘दुर्लभतम’ मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा ! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। ‘लिस्ट 4ए’ में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरु होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

सालों का इंतजार खत्म ! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंजूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ला बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता

है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था ! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन

समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ!

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैं जैसे सरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव

को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)